प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : दिवस 4 (टेस्ट 1)

1. 'भारत में नागरिकता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में जन्म और देशीयकरण दोनों के आधार पर नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।
2. नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) की श्रेणी का भारत के विदेशी नागरिक (OCI) की श्रेणी के साथ विलय कर दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- नागरिकता अधिनियम, 1955 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के पाँच तरीकों का उल्लेख है: जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीयकरण और भू-भाग के विलय द्वारा।
    - जन्म के आधार पर (Jus soli) नागरिकता, एक व्यक्ति द्वारा किसी राष्ट्र की नागरिकता ग्रहण करने का सबसे सामान्य साधन है जिसके तहत एक व्यक्ति की नागरिकता उस स्थान से निर्धारित होती है जहाँ उसका जन्म हुआ है।
    - रक्त संबंध (Jus sanguinis) के आधार पर नागरिकता का उपयोग तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति अपने माता-पिता या पूर्वजों की नागरिकता के आधार पर किसी राष्ट्र की नागरिकता प्राप्त करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत में भारत के प्रवासी नागरिक (Overseas Citizen of India-OCI) की श्रेणी वर्ष 2005 में शुरू की गई थी। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा भारत सरकार ने 2015 में OCI श्रेणी के साथ भारतीय मूल के व्यक्ति (Person of Indian Origin- PIO) की श्रेणी का विलय कर दिया और इस संशोधन के लागू होने के बाद अब सभी PIO कार्डधारकों को OCI कार्डधारक का दर्जा दे दिया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**

प्रश्न 2. भारत के संविधान की प्रस्तावना सुनिश्चित करती है:

1. आर्थिक स्वतंत्रता
2. अवसरों की समानता
3. विश्वास की स्वतंत्रता

उपर्युक्त में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान की प्रस्तावना दो बातों को स्पष्ट करती है- पहला, शासन की संरचना और दूसरा, स्वतंत्र भारत के आदर्शों के बारे में।
- इसलिये प्रस्तावना को 'संविधान की कुंजी' माना जाता है। प्रस्तावना में भारतीय राज्य का उल्लेख संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में किया गया है।
- प्रस्तावना में उल्लिखित उद्देश्य निम्नलिखित हैं:
    - न्याय - सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता। **अतः कथन 3 सही है।**
    - प्रतिष्ठा और अवसर की समानता। **अतः कथन 2 सही है।**
    - व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता तथा अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी संविधान द्वारा दी गई है।
2. केवल संवैधानिक संशोधन द्वारा ही भारतीय क्षेत्र को विदेशी राज्य को हस्तातंरित किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1
(c) केवल 2
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान संसद को नए राज्यों के गठन या राज्यों के क्षेत्र में परिवर्तन करने, राज्यों की सहमति के बिना मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों को बदलने के लिये अधिकृत करता है। संसद अपनी इच्छा के अनुसार, भारत के राजनीतिक मानचित्र का पुनर्निर्धारण कर सकती है। किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या निरंतर अस्तित्व की गारंटी संविधान द्वारा नहीं दी गई है। इसलिये, भारत को 'विनाशकारी राज्यों के अविनाशी संघ' के रूप में वर्णित किया गया है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- बेरुबाड़ी यूनियन वाद में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि किसी राज्य के क्षेत्र को कम करने की संसद की शक्ति (अनुच्छेद-3) में किसी भारतीय क्षेत्र को किसी अन्य देश को हस्तांतरित करना शामिल नहीं है। इसलिये, अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करके ही एक भारतीय क्षेत्र को किसी विदेशी राज्य को सौंपा जा सकता है।
    - ❑ हालाँकि पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवादों का समाधान करना अलग विषय है। वर्ष 1969 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि सीमा विवादों को कार्यपालिका के हस्तक्षेप द्वारा भी हल किया जा सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**

प्रश्न 4. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अवधारणा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह समानता के सिद्धांत पर आधारित है।
2. लोग मतदान के अधिकार के माध्यम से अपनी संप्रभु इच्छा व्यक्त करते हैं।
3. यह सभी वयस्क नागरिकों को राज्य के शासन में शामिल होने की अनुमति देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- लोगों का मतदान करने और अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने का अधिकार मताधिकार के रूप में जाना जाता है। वयस्क मताधिकार का अर्थ है कि जाति, वर्ग, वर्ण, धर्म या लिंग आधारित भेदभाव के बिना सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिये।
  - ❑ यह समानता पर आधारित है, जो लोकतंत्र का एक मूल सिद्धांत है जिसमें यह अपेक्षित है कि मतदान का अधिकार सभी को समान रूप से उपलब्ध होना चाहिये। किसी भी व्यक्ति को इस अधिकार के प्रयोग से वंचित करना उनके समानता के अधिकार का उल्लंघन है। वस्तुतः लोकतंत्र की भावना को तभी बनाए रखा जा सकता है, यदि लोगों को बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार दिया जाए। **अतः कथन 1 सही है।**
  - ❑ हालाँकि अपराधी इस मामले में एक अपवाद हैं जिन्हें चुनाव में मतदान करने के अधिकार से प्रतिबंधित किया गया है।
    - ➢ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) के अनुसार, कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन में मत नहीं देगा यदि वह कारावास या निर्वासन के दंडादेश के अधीन है या कारावास में है या पुलिस की विधिपूर्ण अभिरक्षा में है। परन्तु इस उपधारा की कोई भी बात उस समय लागू विधि के अधीन निवारक निरोध के अधीन व्यक्ति पर लागू नहीं होंगी।
- लोगों को राजनीतिक रूप से संप्रभु कहा जाता है क्योंकि उनके पास सरकार को सत्ता से वंचित करने अथवा सत्तासीन करने के लिये मतदान करने का अधिकार होता है। इसलिये लोकतंत्र को प्राय: लोगों द्वारा सरकार को नियुक्त करने, नियंत्रित करने और खारिज करने की एक विधा के रूप में वर्णित किया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सभी नागरिकों को उनके राज्य की शासन प्रक्रिया में शामिल होने में सक्षम बनाता है। इस प्रकार वे अपनी पसंद के ऐसे प्रतिनिधियों का चुनाव कर करते हैं जो लोगों की सेवा और उनके हितों की सुरक्षा हेतु शासन करते हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

प्रश्न 5. '1833 के चार्टर अधिनियम' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसमें एक विधि आयोग की स्थापना का प्रावधान था।
2. इसने प्रशासनिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यों को समाप्त कर दिया।
3. इसने यूरोपीय अप्रवासन पर लगे सभी प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 1
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: 1833 का चार्टर अधिनियम

ब्रिटिश संसद द्वारा पारित 1833 के चार्टर अधिनियम में भारतीय कानूनों के समेकन और संहिताकरण के लिये एक विधि आयोग की स्थापना का प्रावधान था। वर्ष 1835 में लॉर्ड मैकाले को प्रथम विधि आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। **अतः कथन 1 सही है।**

- **अधिनियम की विशेषताएँ**
  - ❑ इसने बंगाल के गवर्नर-जनरल को भारत का गवर्नर-जनरल बना दिया जिसमें सभी नागरिक और सैन्य शक्तियाँ निहित थी। लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत का पहला गवर्नर-जनरल था।
  - ❑ इसने बंबई और मद्रास के गवर्नरों को उनकी विधायी शक्तियों से वंचित कर दिया। भारत के गवर्नर-जनरल को संपूर्ण ब्रिटिश भारत के लिये अनन्य विधायी शक्तियाँ प्रदान की गईं।
  - ❑ इसने एक व्यापारिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी की गतिविधियों को समाप्त कर दिया जिससे यह पूर्णतः प्रशासनिक निकाय बन गया। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
  - ❑ 1833 के चार्टर अधिनियम ने सिविल सेवकों के चयन के लिये खुली प्रतियोगिता की प्रणाली शुरू करने का प्रयास किया था लेकिन कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स के विरोध के बाद इस प्रावधान को हटा दिया गया।
  - ❑ इस अधिनियम द्वारा कंपनी के चाय के व्यापार एवं चीन के साथ व्यापार में एकाधिकार को भी समाप्त कर दिया गया।
  - ❑ यूरोपीय अप्रवासन अर्थात् यूरोपीय लोगों को भारत में बसने की अनुमति दे दी गई और भारत में संपत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिये गए। इस प्रकार भारत के व्यापक यूरोपीय औपनिवेशीकरण के लिये मार्ग प्रशस्त कर दिया गया। **अतः कथन 3 सही है।**

6. भारत के संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित 'संप्रभुता' निम्नलिखित में से क्या दर्शाती है?
   1. एक राष्ट्र के रूप में सर्वोच्च प्राधिकार एवं पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता।
   2. सरकार के अंगों और संवैधानिक प्राधिकारियों की शक्ति का स्रोत केवल भारत के लोग है।
   3. संप्रभुता भारत की संसद में निहित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारत को "एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य" घोषित करती है। संप्रभु होने का अर्थ है-पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता और सर्वोच्च प्राधिकारिता की स्थिति।
  - इसका तात्पर्य यह है कि भारत आंतरिक रूप से प्रभुत्व-संपन्न है और बाह्य रूप से स्वतंत्र है। संप्रभु किसी भी प्रकार के बाह्य हस्तक्षेप (किसी भी देश या व्यक्ति द्वारा) के बिना स्वयं के निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र है और कोई भी इसके प्राधिकार को चुनौती नहीं दे सकता। **अतः कथन 1 सही है।**

- संप्रभुता की यह विशेषता अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच एक राष्ट्र के रूप में हमारे लिये अस्तित्व की गरिमा सुनिश्चित करती है। हालाँकि संविधान यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि संप्रभु प्राधिकार कहाँ निहित है, लेकिन प्रस्तावना में 'हम, भारत के लोग' का उल्लेख यह दर्शाता है कि संप्रभुता भारत के लोगों में निहित है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
    - इसका अर्थ यह है कि सरकार के अंगों और संवैधानिक प्राधिकारियों की शक्ति का स्रोत भारत के लोग है। **अतः कथन 2 सही है।**

प्रश्न.7. प्रस्तावना में बंधुता के विचार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह व्यक्तियों की गरिमा सुनिश्चित करता है।
2. यह राष्ट्र की एकता और अखंडता निश्चित करता है।
3. प्रस्तावना में अखंडता शब्द 44वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बंधुत्व का अर्थ है-भाईचारे की भावना। प्रस्तावना में घोषणा की गई है कि बंधुत्व दो चीजों- व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता, को सुनिश्चित करता है। धार्मिक विश्वासों, जाति, भाषा, संस्कृति, नृजातीयता, वर्ग और लिंग आधारित विभिन्न विविधताओं के बावजूद, पारस्परिक सम्मान के माध्यम से नैतिक आधार पर सबकी समानता को मान्यता देते व्यक्ति की गरिमा को सुनिश्चित किया जाता है। **अतः कथन 1 और 2 सही हैं।**
    - 42वें संवैधानिक संशोधन (1976) द्वारा प्रस्तावना में 'अखंडता' शब्द जोड़ा गया है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

8. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सामाजिक न्याय की अवधारणा की सर्वोत्तम व्याख्या करता है?

(a) बिना किसी सामाजिक भेदभाव के सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार
(b) संपदा का समान वितरण
(c) राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी
(d) पुरुषों और महिलाओं के लिये रोज़गार के समान अवसर।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जाति, रंग, नस्ल, धर्म, लिंग आदि के आधार पर किसी भी सामाजिक भेदभाव के बिना सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार सामाजिक न्याय को निरूपित करता है। इसका अर्थ है कि समाज के किसी विशेष वर्ग के लिये विशेषाधिकार का अभाव और पिछड़े वर्गों (एससी, एसटी, और ओबीसी) और महिलाओं की स्थिति में सुधार।
- सामाजिक न्याय का उद्देश्य असमानताओं का निवारण और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में प्रत्येक नागरिक हेतु समान अवसर उपलब्ध कराना है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

प्रश्न 9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. व्यापक यंत्रीकरण आधारित गेहूँ की कृषि
2. चिनूक नामक स्थानीय हवा से प्रभावित चारागाह मैदान
3. नगण्य समुद्री प्रभाव वाला क्षेत्र.
4. 25-75 सेमी. के बीच वर्षा

उपर्युक्त भौगोलिक विशेषताएँ निम्नलिखित में से किस विकल्प से संबंधित है?

(a) कैंटरबरी
(b) कैम्पोस
(c) प्रेयरी
(d) लानोस

उत्तर: (c)

व्याख्या: प्रेयरी

- प्रेयरी, उत्तरी अमेरिका में पाए जाने वाले शीतोष्ण घास के मैदान है जो मुख्यतः संयुक्त राज्य अमेरिका एवं कनाडा के कुछ हिस्सों में फैले हुए है।
- प्रेयरी में महाद्वीपीय प्रकार की जलवायु पाई जाती है जिसमें तापमान बहुत अधिक होता है।
- प्रेयरी मैदान पश्चिम में रॉकी पर्वत और पूर्व में महान झील (**Great Lakes**) क्षेत्र से घिरे हुए हैं। उत्तर-दक्षिण दिशा में अवरोध की अनुपस्थिति से यहाँ चिनूक नामक स्थानीय हवाएँ बहती है।
- इस क्षेत्र में 25-75 सेमी. तक मध्यम मात्रा में वर्षा होती है जो घास की वृद्धि के लिये उपयुक्त हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में मिसिसिपी नदी की सहायक नदियाँ प्रेयरी मैदानों से होकर बहती हैं। जबकि कनाडा में सस्केचेवान नदियों (**Saskatchewan Rivers**) की सहायक नदियाँ प्रेयरी से होकर बहती हैं।
- इन नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ मृदा तथा कंबाइन हार्वेस्टर, क्रॉप स्प्रेयर जैसी वैज्ञानिक विधियों के उपयोग के संयुक्त परिणामों से इस क्षेत्र में अधिशेष गेहूँ का उत्पादन हुआ है। इसके कारण प्रेयरी क्षेत्र को 'विश्व का अन्न भंडार' भी कहा जाता है।
- **कैंटरबरी** घास के मैदान न्यूज़ीलैंड में स्थित शीतोष्ण घास के मैदान हैं। **कैम्पोस** (ब्राजील) और **लानोस** (वेनेजुएला और कंबोडिया) उष्णकटिबंधीय घास के मैदान हैं।

प्रश्न 10. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

मरुस्थल	महासागरीय धारा
1. सोनोरन	गल्फस्ट्रीम
2. अटाकामा	पेरू की धारा
3. नामिब	अगुल्हास धारा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित **नहीं** है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: गर्म मरुस्थल एवं और ठंडी महासागरीय धाराओं के बीच सह-संबंध

- प्रश्न में उल्लिखित सभी मरुस्थल पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से महाद्वीप के पश्चिमी तट पर अवस्थित हैं। 25-35 डिग्री उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों के पास ठंडी महासागरीय धाराओं के कारण गर्म मरुस्थल निर्मित होते हैं।
- ठंडी धाराएँ ऊपरी वायु को शीत और शुष्क वायु राशि में परिवर्तित कर देती है। आसपास की भूमि के शुष्क हो जाने के परिणामस्वरूप मरुस्थल बनते है।.
- गल्फस्ट्रीम और अगुल्हास गर्म महासागरीय धाराएँ हैं और ये महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर पाई जाती हैं। इसलिये इन धाराओं के परिणामस्वरूप मरुस्थल नहीं बनते हैं।
- हम्बोल्ट धारा, जिसे पेरू की धारा भी कहा जाता है, एक कम लवणता युक्त ठंडी महासागरीय धारा है जो दक्षिण अमेरिका के तट पर उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है। यह धारा उत्तरी चिली में पेरू के अटाकामा मरुस्थल एवं पेरू के तटीय क्षेत्रों और दक्षिणी इक्वाडोर की शुष्कता के लिये भी काफी सीमा तक उत्तरदायी है।
- कैलिफोर्निया धारा के प्रभाव से सोनोरन मरुस्थल (उत्तरी अमेरिका) तथा बेंगुएला धारा के प्रभाव से नामीब मरुस्थल (अफ्रीका) बनता है। **अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।**

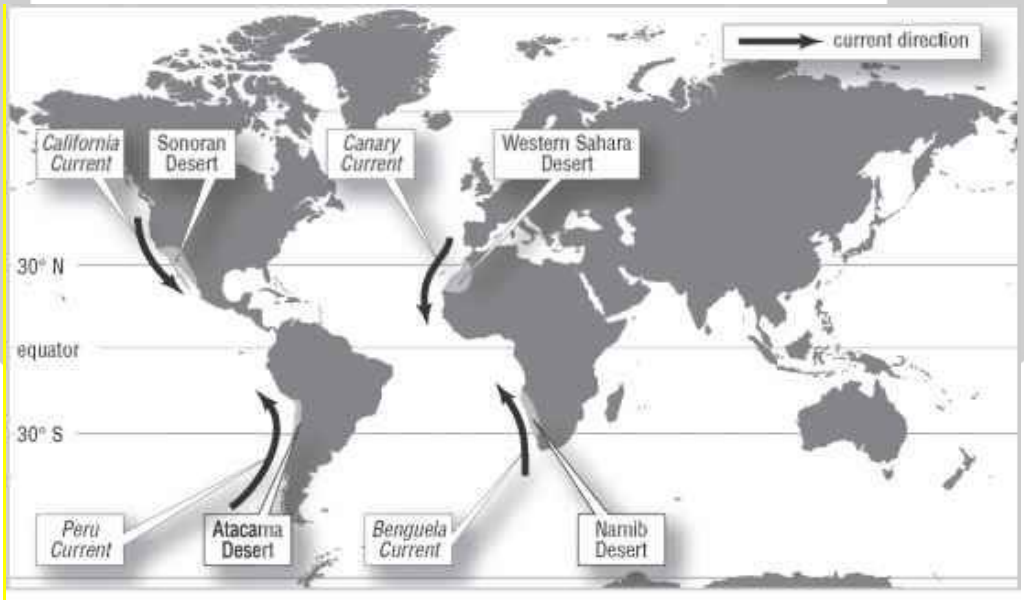

प्रश्न 11. "यह भूमध्यरेखीय वर्षा वनों और गर्म मरुस्थलों के बीच पाई जाने वाली एक संक्रमणकारी प्रकार की जलवायु है। इस क्षेत्र में बाढ़ और सूखा सामान्य परिघटना है। अत्यधिक दैनिक तापांतर एक प्रमुख विशेषता है। व्यापारिक पवनें, इस क्षेत्र की प्रचलित पवनें हैं जो तटीय क्षेत्रों में वर्षा लाती हैं। गर्मियों में तट की ओर से चलने वाली पवनों (On-Shore Winds) के कारण वर्षा होती हैं और शीतकाल में अपतटीय पवनों (Off-Shore Winds) के कारण शुष्क जलवायविक परिस्थितियाँ बनती है तथा पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा घटती है। इस क्षेत्र में अलग से वर्षा ऋतु नहीं होती है।"

उपर्युक्त गद्यांश निम्नलिखित में से किस जलवायु क्षेत्र का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) ब्रिटिश तुल्य जलवायु
(b) भूमध्यसागरीय जलवायु
(c) सवाना/सूडान तुल्य
(d) मानसूनी जलवायु

उत्तर: (c)

व्याख्या: सवाना/सूडान तुल्य जलवायु

- उपर्युक्त विशेषताएँ, सवाना/सूडान अथवा उष्णकटिबंधीय आर्द्र एवं शुष्क जलवायु क्षेत्र को सुपरिभाषित करती है जो सूडान में स्पष्ट रूप से विकसित होती है। दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत में भी ऐसी विशेषताओं से युक्त जलवायु पाई जाती है।

विशेषताएँ

- क्रमिक आर्द्र और शुष्क मौसम मानसूनी जलवायु के समान होते हैं लेकिन वार्षिक वर्षा कम होती है।
  - ➢ समग्र रूप से वार्षिक वर्षा (लगभग 100 सेमी.) उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु से कम और आर्द्र एवं शुष्क ऋतु की अवधि में क्षेत्रवार भिन्नता होती है।
- अत्यधिक दैनिक तापांतर होता है।
  - ➢ सवाना तुल्य जलवायु का तापमान परास 18-30°C होता है।
- प्रचलित पवनों के रूप में व्यापारिक पवनें पाई जाती है।

इस प्रकार के जलवायु क्षेत्र में क्रमिक आर्द्रता एवं शुष्कता के कारण:

- ग्रीष्मकाल में समुद्र से स्थल की ओर चलने वाली पवनों के कारण होने वाली वर्षा।
- शीतकाल में अपतटीय पवनें शुष्क जलवायविक परिस्थितियाँ बनाती हैं।

12. उर्मिया झील के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह इराक में अवस्थित है।
2. यह ताज़े पानी की झील है।
3. यह झील एक यूनेस्को जैवमंडल आरक्षित स्थल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- उर्मिया झील उत्तर-पश्चिमी ईरान में स्थित है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह कई द्वीपों युक्त एक अतिलवणीय झील है, जो विस्तृत दलदल भूमि से घिरी हुई है। झील में जल की आपूर्ति वर्षा, झरनों और जलधाराओं से होती है और जलस्तर एवं लवणता में मौसमी विभिन्नताएं पाई जाती है। इसकी लवणीय दलदली प्रकृति कई प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- यह रामसर स्थल और यूनेस्को जैवमंडल आरक्षित स्थल दोनों है। **अतः कथन 3 सही है।**.

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की रिपोर्ट के अनुसार, झील के आकार में वर्ष 1995 से कमी आ रही है। अगस्त 2011 तक इसका सतही क्षेत्रफल घटकर 2,366 वर्ग किमी. हो गया था जो वर्ष 2013 में 700 वर्ग किमी.तक रह गया।
    - ❑ **नासा के अनुसार वर्ष 2002 से 2016 के बीच झील के क्षेत्रफल में लगभग 70% तक की कमी हुई है।**
- यूएनडीपी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, झील के स्वास्थ्य में सुधार के संकेत मिले हैं। वर्ष 2013 से 2017 के बीच झील के क्षेत्रफल में 1600 वर्ग किमी. तक की वृद्धि हुई।

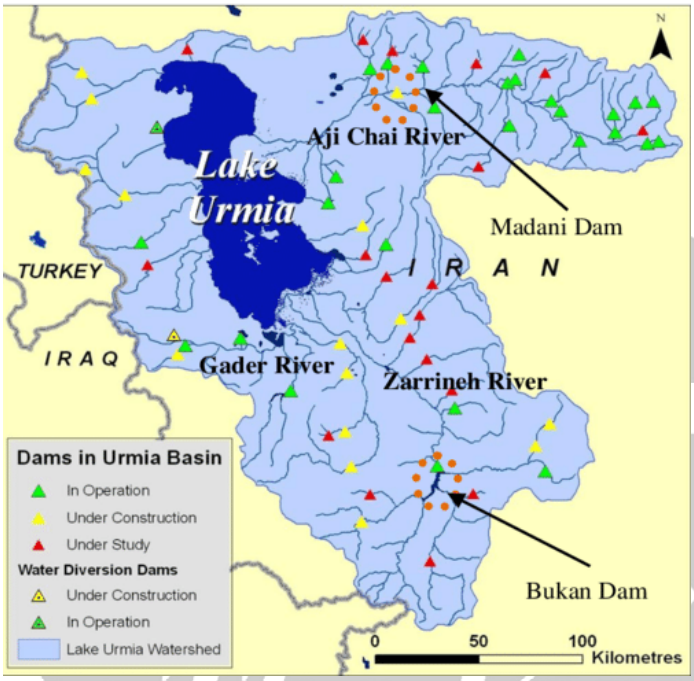

प्रश्न.13. 'आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये आरक्षण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 103वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये 10% आरक्षण की व्यवस्था की गई।
2. अनुच्छेद-15 सरकार को आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये पदों को आरक्षित करने की अनुमति देता है।
3. लाभार्थी की पहचान सामाजिक-आर्थिक एवं जातिगत जनगणना के आधार पर की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 103वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2019 केंद्र सरकार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों एवं निजी शिक्षण संस्थानों (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को छोड़कर) और सरकारी नौकरियों में समाज के 'आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों (EWS) के लिये 10% आरक्षण का प्रावधान करता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- संविधान का अनुच्छेद 15 किसी भी नागरिक के विरुद्ध धर्म, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का प्रतिषेध करता है। हालाँकि सरकार सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े हुए नागरिकों के किन्ही वर्गों की उन्नति या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये विशेष प्रावधान कर सकती है।
    - अनुच्छेद 15 में संशोधन के माध्यम से उपर्युक्त अधिनियम सरकार को 'आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों' की उन्नति के लिये विशेष प्रावधान करने की अनुमति देता है।
    - इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिये ऐसे वर्गों हेतु 10% तक सीटें आरक्षित की जा सकती हैं। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर इस तरह का आरक्षण लागू नहीं होगा।
    - संविधान का अनुच्छेद 16 किसी भी सरकारी कार्यालय में रोज़गार में भेदभाव पर रोक लगाता है। हालाँकि सरकार 'नागरिकों के किसी पिछड़े हुए वर्ग' के लिये आरक्षण की व्यवस्था कर सकती है, यदि राज्य के अधीन सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व अपर्याप्त है।
        - उपर्युक्त अधिनियम द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिये कुल पदों का 10% आरक्षित रखने के लिये अनुच्छेद 16 में संशोधन किया गया है।
        - अनुच्छेद 15 शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण से संबंधित है और अनुच्छेद 16 लोक नियोजन के तहत सेवाओं में प्रतिनिधित्व का उल्लेख करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- शैक्षणिक संस्थानों और लोक नियोजन में 'आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों' के लिये 10% तक का आरक्षण मौजूदा आरक्षण के अतिरिक्त होगा।
- केंद्र सरकार परिवार की आय और आर्थिक वंचना के अन्य संकेतकों के आधार पर नागरिकों के 'आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों' को अधिसूचित करेगी। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

प्रश्न 14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अल्टिमा थुले (Ultima Thule) मंगल ग्रह का एक प्राकृतिक उपग्रह है।
2. नासा के न्यू होराइजन्स अंतरिक्ष यान को अल्टिमा थूले पर पानी के साक्ष्य मिले हैं।
3. क्विपर बेल्ट, मंगल और बृहस्पति के बीच एक क्षुद्रग्रह बेल्ट है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जनवरी 2019 में नासा का न्यू होराइजन्स अंतरिक्ष यान क्विपर बेल्ट में अल्टिमा थुले नामक एक बर्फीले पिंड के पास से गुजरा। यह अभी तक ज्ञात खगोलीय पिंडों से सबसे दूर अवस्थित स्थान है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- न्यू होराइजन्स अंतरिक्ष यान को अल्टिमा थूले की सतह पर मेथनॉल, पानी, बर्फ और कार्बनिक अणुओं के एक विशिष्ट मिश्रण के प्रमाण मिले है। **अतः कथन 2 सही है।**
- क्विपर बेल्ट सौर प्रणाली का एक भाग है जो आठ प्रमुख ग्रहों से परे के क्षेत्र, जो वरुण अर्थात् नेप्च्यून गृह की कक्षा से शुरू होता है, में अवस्थित है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- क्षुद्रग्रह अल्टिमा थुले में दो अलग-अलग आकार के भाग (लोब) हैं। इसमें एक भाग बड़ा और लगभग समतल हैं जिसे 'अल्टिमा' कहते है और इससे जुड़े दूसरे छोटे और गोलाकार भाग को थुले नाम दिया गया है।

- नवंबर 2019 में अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ और क्विपर बेल्ट के पिंडों के नामकरण के लिये उत्तरदायी माइनर प्लैनेट्स सेंटर द्वारा अल्टिमा थुले को आधिकारिक रूप से **अरोकोथ (Arrokoth)** नाम दिया गया है जो कि मूल अमेरिकी भाषाओं पोवहटन और अल्गोनुकियन का एक शब्द है जिसका अर्थ होता है 'आकाश'।

प्रश्न 15. प्राय: समाचारों में रहने वाला पद 'इनसाइडर ट्रेडिंग' किससे संबंधित है?

(a) सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी की गुप्त जानकारी का दुरूपयोग करते हुए प्रतिभूतियों को खरीदने या बेचने से।
(b) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के उत्पादों की बिक्री से।
(c) किसान उत्पादन संगठनों द्वारा कृषि संबंधी कमोडिटीज़ की खरीद और बिक्री से।
(d) स्वंय सहायता समूहों द्वारा उत्पादित उत्पादों की अपने सदस्यों के बीच बिक्री से।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- इनसाइडर ट्रेडिंग से तात्पर्य सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी की प्रतिभूतियों से संबंधित आंतरिक जानकारी, जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुई है, का उपयोग कर उन्हें खरीदने या बेचने से है।
- सेबी ने किसी कंपनी के ऐसे प्रमोटर्स को इनसाइडर ट्रेडिंग मानदंडों के उल्लंघन के लिये दोषी ठहराने का निर्णय लिया है जिनके पास बिना किसी 'वैध उद्देश्य' (Legitimate Purpose) के कंपनी की ऐसी सूचना है जो अप्रकाशित है और मूल्य-संवेदनशील है अर्थात् वे अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील सूचना (**Unpublished Price-Sensitive Information-UPSI**) रखते हैं।
- सेबी ने निर्दिष्ट किया है कि "वैध उद्देश्य" शब्द में आंतरिक व्यक्ति द्वारा सामान्य व्यवसाय संचालन हेतु भागीदारों, सहयोगियों, ऋणदाताओं, ग्राहकों, आपूर्तिकर्त्ताओं, व्यापारी बैंकरों, विधिक सलाहकारों, लेखा परीक्षकों, दिवालिया पेशेवरों या अन्य सलाहकारों के साथ UPSI को साझा करना शामिल होगा बशर्ते सूचनाओं के इस साझाकरण का उद्देश्य इन नियमों के निषेधों से बचना अथवा उल्लंघन न हो। **अत: विकल्प (a) सही है।**

प्रश्न 16. हाल ही में चर्चा में रहा 'पेरिस कॉल' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) जलवायु परिवर्तन से
(b) अंतरिक्ष समझौते से
(c) साइबर सुरक्षा से
(d) जैव प्रौद्योगिकी से

उत्तर: (c)

व्याख्या: पेरिस कॉल

- नवंबर 2018 में यूनेस्को की 'इंटरनेट गवर्नेंस फोरम' के शिखर सम्मेलन के दौरान फ्राँस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने 'पेरिस कॉल फॉर ट्रस्ट एंड सिक्योरिटी इन साइबरस्पेस' नामक कार्य परियोजना की घोषणा की थी।
- 'पेरिस कॉल' साइबरस्पेस क्षेत्र के सभी अभिकर्त्ताओं को एक साथ काम करने हेतु आमंत्रित करता है और सभी राज्यों को निजी क्षेत्र के भागीदारों, शोधकर्त्ताओं और नागरिक समाज के साथ सहयोग करने के लिये प्रोत्साहित करता है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

इंटरनेट गवर्नेंस फोरम

- वर्ष 2003 और वर्ष 2005 में संयुक्त राष्ट्र ने 'वर्ल्ड समिट ऑन द इनफार्मेशन सोसाइटी' (WSIS) नामक सम्मेलन का आयोजन किया था। 'इंटरनेट गवर्नेंस फोरम' (IGF) की स्थापना इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्त्वपूर्ण परिणाम था।
- **IGF, UNESCO के तत्त्वावधान में बहु-हितधारक नीतिगत संवाद हेतु एक मंच है।** यह इंटरनेट से संबंधित सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर चर्चा के लिये विभिन्न हितधारक समूहों को एक साझा मंच उपलब्ध कराता है।
- इंटरनेट गवर्नेंस फोरम का तीसरा शिखर सम्मलेन वर्ष 2008 में हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किनको 'विधि के शासन' के प्रमुख लक्षणों के रूप में माना जाता है?

1. शक्तियों का परिसीमन
2. विधि के समक्ष समता
3. सरकार के प्रति जन-उत्तरदायित्व
4. स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 'विधि के शासन' को शासन के एक सिद्धांत के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें स्वयं राज्य सहित सभी व्यक्ति, संस्थाएँ और कंपनियाँ (सार्वजनिक और निजी) उन कानूनों के प्रति जवाबदेह हैं जो सार्वजनिक रूप से प्रख्यापित हैं, समान रूप से लागू किये गए हैं और जिनका स्वतंत्र रूप से न्यायनिर्णयन किया जाता हैं और जो मानवाधिकारों के मानदंडों और मानकों के अनुरूप है।
- **विधि के शासन के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित है:**
  - ➢ विधि की सर्वोच्चता।
  - ➢ विधि के समक्ष समानता।
  - ➢ विधियों का समान संरक्षण।
  - ➢ नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता का अस्तित्व और संरक्षण।
  - ➢ कार्यपालिका और विधायिका की शक्तियों की परिसीमन।
  - ➢ जनता के प्रति सरकार की उत्तरदायित्व।
  - ➢ कानून के क्रियान्वयन में निष्पक्षता।
  - ➢ मनमानी पूर्ण व्यवहार की अनुपस्थिति और प्रक्रियात्मक एवं कानूनी पारदर्शिता आदि।

अत: विकल्प (c) सही है।

प्रश्न 18. विधि और स्वाधीनता के बीच सबसे उपयुक्त संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्रतिबिंबित करता है?

(a) यदि विधियाँ अधिक होती है तो स्वाधीनता कम होती है।
(b) यदि विधि नहीं है तो स्वाधीनता भी नहीं है।
(c) यदि स्वाधीनता है तो विधि-निर्माण जनता को करना होगा।
(d) यदि विधि-परिवर्तन बार-बार होता है तो वह स्वाधीनता के लिये खतरा है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- स्वाधीनता का अर्थ है व्यक्ति किसी भी प्रकार के मनमाने या अवैध प्रतिबंध या नियंत्रण के बिना काम कर सकता है। स्वाधीनता का मतलब सभी कानूनों का पूर्ण अभाव नहीं है।
- स्वाधीनता केवल एक सुव्यवस्थित अवस्था में ही संभव है। राज्य कानून बनाता है और संप्रभु राज्य इन कानूनों के माध्यम से संचालित होता है। इसलिये स्वाधीनता के अस्तित्व के लिये कानून का अस्तित्व आवश्यक है।
- यह कानून है जो स्वाधीनता की रक्षा करता है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

19 निम्नलिखित में से कौन-सी भारतीय संघराज्य पद्धति की विशेषता **नहीं** है?

(a) भारत में स्वतंत्र न्यायपालिका है।
(b) केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।
(c) संघबद्ध होने वाली इकाइयों को राज्यसभा में असमान प्रतिनिधित्व दिया गया है।
(d) यह संघबद्ध होने वाली इकाइयों के बीच एक सहमति का परिणाम है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद-1 में भारत को राज्यों के संघ के रूप में वर्णित किया गया है जिसके दो निहितार्थ है-
    1. भारतीय संघ राज्यों के बीच हुए किसी समझौते का परिणाम नहीं है।
    2. किसी भी राज्य को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है।
- भारतीय संघवाद की विशेषताएँ निम्नलिखित है:
    - द्वैध राजपद्धति
    - लिखित संविधान
    - शक्तियों का विभाजन
    - संविधान की सर्वोच्चता
    - कठोर संविधान
    - स्वतंत्र न्यायपालिका
    - द्विसदनीय विधायिका
- संघीय सदन के रूप में राज्यसभा का गठन किया गया है जिसमें जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व देने से राज्यों का असमान प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

20. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकारों और कर्तव्यों के बीच सही संबंध है?

(a) अधिकार, कर्तव्यों के साथ सह-संबंधित है।
(b) अधिकार व्यक्तिगत है, अत: समाज और कर्तव्यों से स्वतंत्र है।
(c) नागरिक के व्यक्तित्व विकास के लिये अधिकार, न कि कर्तव्य महत्त्वपूर्ण है।
(d) राज्य के स्थायित्व के लिये कर्तव्य, न कि अधिकार महत्त्वपूर्ण है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय परंपरा में अधिकार एवं कर्त्तव्य सहगामी एवं परस्पर पूरक माने जाते है। अत: ये परस्पर सह-संबंधित होते है। भारतीय संविधान में यद्यपि मूल अधिकार की तरह मूल कर्तव्यों को विधिक रूप से प्रवर्तनीय नहीं बनाया गया है लेकिन ऐसी अपेक्षा रहती है कि कोई नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहे।
- अधिकार एवं कर्तव्यों की पूरकता को निम्नलिखित उदाहरण से समझा जा सकता है-

- ❖ अनुच्छेद 21A (मूल अधिकार) में कहा गया है कि राज्य, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले सभी बच्चों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेगा।
- ❖ अनुच्छेद 51A(k) (मौलिक कर्तव्य) के अनुसार, माता-पिता अथवा संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने बच्चों के लिये यथास्थिति शिक्षा के अवसर प्रदान करेगा।

अत: विकल्प (a) सही है।

21. संविधान में संशोधन के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही **नहीं** है/हैं?

(a) निजी सदस्य संविधान संशोधन विधेयक पेश कर सकते हैं।
(b) गोलकनाथ वाद (1967) में संविधान की आधारभूत संरचना की अवधारणा को अपनाया गया था।
(c) राज्य विधानमंडल के लिये संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित करने की कोई समय सीमा नहीं है।
(d) संवैधानिक संशोधन विधेयक के लिये संसद की संयुक्त बैठक आयोजित नहीं की जा सकती है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संविधान के भाग XX का अनुच्छेद-368, संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति और प्रक्रिया से संबंधित है।

- अनुच्छेद-368 में दो प्रकार के संशोधन का प्रावधान है- (i) संसद के विशेष बहुमत द्वारा (ii) संसद के विशेष बहुमत और आधे राज्यों के विधानमंडलों के सामान्य बहुमत से अनुसमर्थन द्वारा।
- संविधान के कुछ प्रावधानों में संशोधन के लिये प्रत्येक सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत की आवश्यकता होती है। इन संशोधनों को अनुच्छेद-368 के तहत संशोधन नहीं माना जाता है।
- संवैधानिक संशोधन विधेयक या तो एक मंत्री या एक निजी सदस्य द्वारा पेश किया जा सकता है और इसके लिये राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।
- गोलकनाथ वाद (1967) में उच्चतम न्यायालय ने मौलिक अधिकारों को अपरिवर्तनीय और अनुल्लंघनीय मानते हुए कहा कि संसद इन अधिकारों में से किसी को भी न तो समाप्त कर सकती है और न ही इनमें कमी कर सकती है। संवैधानिक संशोधन अधिनियम भी अनुच्छेद-13 में वर्णित विधि की परिभाषा में शामिल है इसलिये संसद द्वारा ऐसा कोई भी कानून नहीं बनाया जाएगा जिससे मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है।
  - ❑ हालाँकि केशवानंद भारती वाद (1973) में उच्चतम न्यायालय ने गोलकनाथ वाद (1967) के निर्णय को पलट दिया और 'आधारभूत संरचना' का सिद्धांत दिया। **अतः कथन (b) सही नहीं है।**
- संविधान उस समय-सीमा को निर्धारित नहीं करता है जिसके भीतर राज्य विधान सभाओं को उनके द्वारा प्रस्तुत संशोधन की पुष्टि अथवा उसे अस्वीकार करना होता है। साथ ही संविधान में इस मुद्दे पर भी कुछ नहीं कहा गया है कि क्या राज्य एक बार मंज़ूरी देने के बाद इसे वापस ले सकते हैं।
- संवैधानिक संशोधन विधेयक के संबंध में गतिरोध उत्पन्न होने पर संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

22. भारतीय संविधान के निम्नलिखित प्रावधानों में से किसे संसद के विशेष बहुमत और आधे राज्यों के अनुसमर्थन द्वारा संशोधित किया जा सकता है?

(a) राष्ट्रपति का निर्वाचन
(b) मौलिक अधिकार
(c) राज्य के नीति निदेशक तत्त्व
(d) जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित छठी अनुसूची

उत्तर: (a)

व्याख्या:

संसद के विशेष बहुमत और राज्यों की सहमति से संविधान संशोधन

संविधान के वे प्रावधान जो राजव्यवस्था के संघीय ढाँचे से संबंधित हैं, **संसद के विशेष बहुमत द्वारा** और **आधे राज्यों के विधानमंडलों द्वारा साधारण बहुमत** के समर्थन से संशोधित किये जा सकते हैं।

- इस प्रकार से निम्नलिखित प्रावधानों को संशोधित किया जा सकता है:
  - ❑ **राष्ट्रपति का निर्वाचन और उसका तरीका।**
  - ❑ संघ और राज्यों की कार्यपालिकीय शक्ति का विस्तार।
  - ❑ उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय।
  - ❑ संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण।
  - ❑ सातवीं अनुसूची में शामिल कोई भी सूची।
  - ❑ संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व।
  - ❑ संसद की संविधान में संशोधन करने की शक्ति और उसकी प्रक्रिया (स्वयं अनुच्छेद 368)। **अतः विकल्प (a) सही है।**

संसद के विशेष बहुमत द्वारा संविधान संशोधन

- संविधान में अधिकांश प्रावधानों को संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है अर्थात् प्रत्येक सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से।
- कुल सदस्य संख्या का अर्थ है- सदन में सदस्यों की निर्धारित कुल संख्या, भले ही उसमें किसी भी कारण से रिक्तियाँ या अनुपस्थितयाँ क्यों न हो। इस प्रकार से जिन प्रावधानों में संशोधन किया जा सकता है उनमें शामिल हैं:
  - ❑ **मौलिक अधिकार**
  - ❑ **राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत**
  - ❑ अन्य सभी प्रावधान जो निम्नलिखित दो श्रेणियों के अंतर्गत शामिल नहीं किये गए हैं:
    - ➔ साधारण बहुमत
    - ➔ विशेष बहुमत और राज्यों की सहमति
- पाँचवीं और छठी अनुसूची से संबंधित प्रावधानों में संसद के साधारण बहुमत द्वारा संशोधन किया जा सकता है।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा/से अधिकारों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त है/हैं?

1. निजता का अधिकार
2. काम का अधिकार
3. स्वास्थ्य का अधिकार

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को सुनिश्चित करता है। दोनों शर्तों, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता में, कई प्रकार के अधिकारों को शामिल करते हुए इन्हें बहुत ही विस्तृत और व्यापक आयाम दिया गया है।

- उच्चतम न्यायालय द्वारा 'जीवन' शब्द की उदार व्याख्या की गई है जिससे जीवन के अधिकार का दायरा काफी व्यापक हो गया है।
- उदाहरण के लिये, अगस्त 2017 में न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टास्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ वाद में उच्चतम न्यायालय की नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि निजता का अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार है जो अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का अंतर्भूत भाग है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - इसी प्रकार, स्वास्थ्य का अधिकार भी अनुच्छेद 21 में अंतर्निहित है। **अतः कथन 3 सही है।**
- भारत में काम का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है। हालाँकि संविधान के भाग IV में नीति निदेशक तत्त्वों में अनुच्छेद 41 के तहत कहा गया है कि राज्य को काम करने का अधिकार प्रदान करने हेतु प्रयास करने चाहिये। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

24. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987
2. वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
3. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989
4. प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक और पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1951

उपर्युक्त में से कौन से अधिनियम राज्य-नीति के निदेशक तत्त्वों (DPSP) को लागू करने के लिये संसद द्वारा अधिनियमित किये गए है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

राज्य-नीति के निदेशक तत्त्व (DPSP)	DPSP को लागू करने हेतु संसद द्वारा पारित कानून
• अनुच्छेद 39A: समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना।	• गरीबों को निःशुल्क और उचित विधिक सहायता प्रदान करने और समान न्याय को बढ़ावा देने के लिये लोक अदालतों की स्थापना हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 बनाया गया है।
• अनुच्छेद 48A: पर्यावरण का संरक्षण और संवर्द्धन तथा वन एवं वन्यजीवों की रक्षा।	• वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 को क्रमशः वन्यजीवों और वनों के संरक्षण के लिये लागू किया गया है।

• अनुच्छेद 46: अनुसूचित जाति/जनजाति और समाज के अन्य कमज़ोर वर्गों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को बढ़ावा देना और सामाजिक अन्याय और शोषण से सुरक्षा।	• अनुसूचित जातियों/जनजातियों को सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाने के लिये नागरिक अधिकार अधिनियम, 1955 और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 अधिनियमित किया गया है।
• अनुच्छेद 49: राष्ट्रीय महत्त्व वाले घोषित किये गए कलात्मक या ऐतिहासिक अभिरूचि वाले स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण करना।	• प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक एवं पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम (1951) को राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं के संरक्षण के लिये अधिनियमित किया गया है।

25. राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. ये भारत सरकार अधिनियम, 1919 में शामिल किये गए 'अनुदेश-पत्र' के समान हैं।
2. ये न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं।
3. सभी नीति निदेशक तत्त्वों को मूल अधिकारों पर प्राथमिकता दी गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

राज्य-नीति के निदेशक तत्त्व

- राज्य-नीति के निदेशक **तत्त्व** ब्रिटिश सरकार द्वारा **भारत सरकार अधिनियम, 1935 (न कि भारत सरकार अधिनियम, 1919)** में गवर्नर-जनरल और प्रान्तों के गवर्नरों के लिये ज़ारी अनुदेश पत्रों (Instrument of Instructions) के समान है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- निदेशक तत्त्व प्रकृति में गैर-न्यायोचित हैं अर्थात् इनके उल्लंघन की स्थिति में इन्हें न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं कराया जा सकता। इसलिये इन्हें लागू करने के लिये सरकारों को बाध्य नहीं किया जा सकता। **अतः कथन 2 सही है।**
- राज्य नीति के निदेशक तत्त्व के तहत केवल अनुच्छेद 39 (b) और (c) को दो मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19) पर प्राथमिकता दी गई है।
    - इसलिये यदि कोई कानून एक निदेशक तत्त्व को प्रभावी करने का प्रयास करता है तो अनुच्छेद 14 और 19 के साथ संघर्ष की स्थिति में न्यायालय इस तरह के कानून को 'उचित' मान सकते हैं और इस तरह के कानून को असंवैधानिकता से बचा सकते हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

26. मौलिक कर्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मौलिक कर्तव्य नागरिकों और विदेशियों दोनों पर लागू होते हैं।
2. ये केवल संसद द्वारा प्रवर्तनीय हैं।
3. न्यायिक समीक्षा के लिये मौलिक कर्तव्यों का उपयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों की अवधारणा पूर्व सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित हैं। इन्हें सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान [अनुच्छेद 51 (A)] में जोड़ा गया था।

- मौलिक कर्तव्य केवल भारतीय नागरिकों पर ही लागू होते हैं विदेशियों पर नहीं। राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ावा देने और भारत की एकता को बनाए रखने में सहायता करने के लिये मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन सभी नागरिकों का नैतिक दायित्व है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- ये गैर-प्रवर्तनीय भी हैं। संविधान न्यायालयों के माध्यम से इनके प्रत्यक्ष क्रियान्वयन का प्रावधान नहीं करता है। इसके अतिरिक्त, इनके उल्लंघन की स्थिति में सरकार द्वारा कोई विधिक कार्रवाई भी नहीं की जा सकती। हालाँकि संसद और राज्य विधायिकाएँ उपयुक्त कानून द्वारा इन्हें लागू करने के लिये स्वतंत्र हैं।
  - ❑ गुजरात राज्य बनाम मिर्ज़ापुर मोती कुरैशी कसाब जमात वाद (2006) में राज्य ने गौवध पर रोक लगा दी, जिसके कारण याचिकाकर्त्ता ने अपील की कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत उसके व्यापार अथवा आजीविका के अधिकार का उल्लंघन करता है।
  - ❑ इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राज्य को जन साधारण के हित में व्यवसाय पर उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार है। न्यायालय ने आगे कहा कि प्रतिबंध भारतीय संविधान के अनुच्छेद48 और 51(A) के उद्देश्यों को बढ़ावा देता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- मौलिक कर्तव्य किसी कानून की संवैधानिक वैधता की जाँच और निर्धारण में न्यायालयों की सहायता करते हैं।
  - ❑ वर्ष 1992 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि किसी भी कानून की संवैधानिकता का निर्धारण करने में, यदि ऐसा पाया जाता है कि विचाराधीन कानून मौलिक कर्तव्य को प्रभावी करने का प्रयास करता है, तो वह अनुच्छेद 14 या अनुच्छेद 19 के संबंध में इस तरह के कानून को 'उचित' मान सकता है और कानून को असंवैधानिकता से बचा सकता है। **अतः कथन 3 सही है।**

27. भारतीय संविधान की मूल संरचना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को सीमित करता है।
2. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा मूल संरचना का भाग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- शंकरी प्रसाद वाद (1951) में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद-368 के तहत संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति में मौलिक अधिकारों में संशोधन करने की शक्ति भी शामिल है।
- गोलकनाथ वाद (1967) में उच्चतम न्यायालय ने मौलिक अधिकारों को लोकोत्तर एवं अपरिवर्तनीय (Transcendental and Immutable) माना। इसलिये संसद इन अधिकारों में से किसी को भी न तो कम कर सकती है और न ही इन्हें वापस ले सकती है।
- केशवानंद भारती वाद (1973) में उच्चतम न्यायालय ने गोलकनाथ वाद (1967) में दिये गए निर्णय को पलट दिया और मूल संरचना की अवधारणा प्रतिपादित करते हुए कहा कि अनुच्छेद 368 संसद को संविधान के मूल ढाँचे को बदलने की शक्ति नहीं देता है।
    - ❑ इसका अर्थ है कि संसद किसी ऐसे मौलिक अधिकार में कमी या इसे खत्म नहीं कर सकती है जो संविधान की मूल संरचना को प्रभावित करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- केशवानंद भारती वाद के निर्णय में मूल संरचना की विशेषताओं के बारे में न्यायाधीशों में एकमतता का अभाव था। प्रत्येक न्यायाधीश ने संविधान की मूल या अनिवार्य विशेषताओं के बारे में अपने अलग-अलग विचार प्रस्तुत किये। संविधान की मूल संरचना में निहित विभिन्न विशेषताओं को निम्नलिखित रूप से उल्लिखित किया गया है:
    - ❑ राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों में निहित कल्याणकारी राज्य का सिद्धांत। **अतः कथन 2 सही है।**
    - ❑ राष्ट्र की एकता और अखंडता।
    - ❑ संविधान की सर्वोच्चता।
    - ❑ राष्ट्र की संप्रभुता।
    - ❑ सरकार का लोकतांत्रिक और गणतंत्रीय स्वरूप।
    - ❑ संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र।
    - ❑ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण।
    - ❑ संविधान का संघीय चरित्र।

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रेस की स्वतंत्रता का उल्लेख किया गया है।
2. वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भारत की अखंडता एवं राज्य की सुरक्षा के आधार पर प्रतिबंधित किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:.

- संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रेस की स्वतंत्रता का कोई विशेष उल्लेख नहीं किया गया है। इसमें केवल वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख है। संविधान सभा की बहस में, प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अंबेडकर द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि प्रेस की स्वतंत्रता का कोई विशेष उल्लेख आवश्यक नहीं है क्योंकि अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में प्रेस और एक व्यक्ति या एक नागरिक समान है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - भारतीय संविधान के निर्माताओं ने प्रेस की स्वतंत्रता को वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक अनिवार्य हिस्सा माना जिसे संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (a) में सुनिश्चित किया गया है।
    - रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य और बृज भूषण बनाम दिल्ली राज्य में उच्चतम न्यायालय ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि प्रेस की स्वतंत्रता वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का एक अनिवार्य हिस्सा है।
- अनुच्छेद-19 (2) में वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाने के आधारों का उल्लेख है जो कि निम्नलिखित है-
    1. **भारत की संप्रभुता और अखंडता**
    2. **राज्य की सुरक्षा**
    3. विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध
    4. लोक व्यवस्था
    5. शिष्टाचार या सदाचार का संरक्षण
    6. न्यायालय की अवमानना
    7. मानहानि या अपराध-उद्दीपन

अतः कथन 2 सही है।

29. गंगा नदी बेसिन में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की मृदा के प्रकारों को उत्तर से दक्षिण की ओर के क्रम में व्यवस्थित कीजिये:

1. तराई
2. भाबर
3. खादर
4. बाँगर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) 4-3-2-1

(b) 2-1-4-3

(c) 3-4-1-2

(d) 2-3-1-4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- उत्तरी मैदान नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेपों से निर्मित हुए हैं। इन मैदानों की औसत चौड़ाई 150-300 किमी. तथा जलोढ़ निक्षेप की अधिकतम गहराई 1,000-2,000 मीटर के बीच है।
- उत्तर से दक्षिण की ओर इन्हें तीन प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है: भाबर, तराई और जलोढ़ मैदान। जलोढ़ मैदानों को खादर और बाँगर में विभाजित किया जा सकता है।

- भाबर, शिवालिक गिरिपाद के समानांतर 8-10 किमी. चौड़ाई की एक संकरी पट्टी है। इसके परिणामस्वरूप, पहाड़ों से आने वाली नदियाँ चट्टानों और गोलाश्मों की वृहद् मात्रा निक्षेपित करती हैं और कभी-कभी स्वयं इस क्षेत्र में लुप्त हो जाती हैं।
- भाबर के दक्षिण में तराई क्षेत्र है, जिसकी चौड़ाई लगभग 10-20 किमी. है। भाबर क्षेत्र में लुप्त नदियाँ इस प्रदेश में बिना किसी निश्चित प्रवाह-पथ के पुन: धरातल पर प्रकट होती हैं। इससे यहाँ पर दलदली परिस्थितियाँ बन जाती है जिसे तराई क्षेत्र कहते हैं। यह क्षेत्र सघन वनस्पतियों से आच्छादित रहता है और विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों का आवासस्थल है।

- तराई के दक्षिण में पुराने और नए जलोढ़ निक्षेपों से निर्मित मैदान है जिन्हें क्रमश: बाँगर और खादर नाम से जाना जाता है। इस मैदान में नदी की प्रौढ़ावस्था में बनने वाली अपरदनजनित और निक्षेपण स्थलाकृतियाँ जैसे- बालू रोधिका, विसर्प, गोखुर झीलें और गुंफित नदियाँ पाई जाती हैं। **अतः विकल्प (b) सही है।**

30. प्रायद्वीपीय पठार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह गोंडवाना लैंड के विवर्तनिक स्थानांतरण का परिणाम था।
2. पठार का पूर्वी विस्तार दामोदर नदी द्वारा अपवाहित है।
3. कार्बी-आंगलोंग पठार दक्कन के पठार का एक भाग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: प्रायद्वीपीय पठार

- प्रायद्वीपीय पठार प्राचीन क्रिस्टलीय, आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों से बना एक पठार है। यह गोंडवाना लैंड के टूटने और स्थानांतरण के कारण निर्मित हुआ और सबसे पुराने भू- भाग का एक भाग बन गया। **अतः कथन 1 सही है।**
  - सबसे पुराना भू- भाग (प्रायद्वीपीय भाग), गोंडवाना लैंड का एक भाग था। गोंडवाना लैंड में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका एक ही भू-भाग के रूप में शामिल थे।
- पठार में चौड़ी और उथली घाटियाँ एवं गोलाकार पहाड़ियाँ हैं। इस पठार में दो मुख्य भाग है- मध्य उच्च भूमि और दक्कन का पठार।
  - नर्मदा नदी के उत्तर में प्रायद्वीपीय पठार का वह भाग जो मालवा पठार के अधिकतर भागों में विस्तृत है, उसे मध्य उच्च भूमि के नाम से जाना जाता है।
  - विंध्य शृंखला, दक्षिण में मध्य उच्च भूमि और उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वत श्रेणी से घिरी हुई है। पश्चिम में यह उत्तरोत्तर राजस्थान के रेतीले मरुस्थल से मिल जाता है।
- इस क्षेत्र में बहने वाली नदियाँ चंबल, सिंध, बेतवा और केन दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफ बहती हैं, जो इस क्षेत्र के ढलान को दर्शाती हैं। मध्य उच्च भूमि पश्चिम में चौड़ी लेकिन पूर्व में संकरी है।
  - इस पठार के पूर्वी विस्तार को स्थानीय रूप से बुंदेलखंड और बघेलखंड के नाम से जाना जाता है। दामोदर नदी द्वारा अपवाहित छोटा नागपुर पठार इसके पूर्वी विस्तार की सीमा निर्धारित करता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- दक्कन का पठार एक त्रिकोणीय भू-भाग है जो नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है। इसके उत्तर में सतपुड़ा शृंखला है जबकि महादेव, कैमूर पहाड़ियाँ और मैकाल शृंखला इसके पूर्वी विस्तार हैं।

- दक्कन का पठार पश्चिम में अपेक्षाकृत ऊँचा जबकि पूर्व की ओर मंद ढाल युक्त है। पठार का एक भाग उत्तर-पूर्व में भी दिखाई देता है- जिसे स्थानीय रूप से मेघालय, कार्बी-आंगलोंग पठार और उत्तरी कछार पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है। **अतः कथन 3 सही है।**
- यह छोटा नागपुर पठार से एक भ्रंश के माध्यम से अलग हो गया है। पश्चिम से पूर्व की ओर तीन प्रमुख पर्वत शृंखलाएँ-गारो, खासी और जयंतिया हैं।
    - ❑ माना जाता है कि हिमालय के उद्गम के समय भारतीय प्लेट के उत्तर-पूर्व की ओर संचलन से लगे बल के कारण, राजमहल पहाड़ियों और मेघालय पठार के बीच एक भ्रंश पैदा हो गया था जिसे कई नदियों की निक्षेपण गतिविधियों द्वारा पाट दिया गया।
    - ❑ परिणामस्वरूप, आज मेघालय और कार्बी-आंगलोंग पठार मुख्य प्रायद्वीपीय भाग से अलग हो गए हैं।

31. हाल ही में समाचारों में रहा 'थवैट्स हिमनद' कहाँ अवस्थित है?

(a) अंटार्कटिका
(b) आर्कटिक
(c) हिमालय
(d) एंडीज

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के वैज्ञानिकों ने पश्चिम अंटार्कटिका में थवैट्स हिमनद (Thwaites Glacier) के तल में लगभग 300 मीटर लंबे एक विशालकाय छिद्र की खोज की है, जो निरंतर बढ़ रहा है। हिमनद के तल पर यह छिद्र बर्फ की चादर के तेज़ी से क्षयित होने और जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक समुद्री स्तर में हो रही वृद्धि का संकेत है।
- यह मेरी बर्ड लैंड (Marie Byrd Land) के वालग्रीन (Walgreen) तट पर माउंट मर्फी (Mount Murphy) के पूर्व में अमुंदसेन सागर (Amundsen Sea) का एक हिस्सा है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

32. निम्नलिखित में से कौन-सा/से देश कैस्पियन सागर और फारस की खाड़ी दोनों के साथ सीमा साझा करता/करते है/हैं?

1. इराक
2. ईरान
3. तुर्कमेनिस्तान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कैस्पियन सागर उत्तर-पूर्व में कजाकिस्तान, उत्तर-पश्चिम में रूस, पश्चिम में अज़रबैजान, दक्षिण में ईरान और दक्षिण पूर्व में तुर्कमेनिस्तान से घिरा है।
- फारस की खाड़ी पर एक तट रेखा वाले देश (उत्तर दिशा से, दक्षिणावर्त)- **ईरान,** ओमान का मुसन्दम बहि:क्षेत्र (Exclave), संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, बहरीन, कुवैत और उत्तर-पश्चिम दिशा में इराक हैं। **अतः विकल्प (b) सही है।**

33. हाल ही में समाचारों में रहा 'संगराई नृत्य' किस राज्य से संबंधित है?

(a) त्रिपुरा

(b) पश्चिम बंगाल

(c) नगालैंड

(d) असम

उत्तर: (a)

व्याख्या: संगराई नृत्य और मोग (Mog) **जनजाति**

- संगराई नृत्य त्रिपुरा के मोग समुदाय द्वारा किया जाने वाला नृत्य है जो बंगाली कैलेंडर के चैत्र माह (अप्रैल में) के दौरान मनाए जाने वाले संगराई उत्सव के अवसर पर किया जाता है। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- मोग अराकनी वंश (भारत-बर्मा के अराकान क्षेत्र) से संबंधित है जो चटगाँव पहाड़ी क्षेत्रों से होते हुए त्रिपुरा में आकर बसे थे। मोग समुदाय की भाषा को तिब्बत-चीनी परिवार भाषा समूह में शामिल किया गया है जो असम-बर्मी भाषा से भी संबंधित है।
    - मोग समुदाय से संबंधित लगभग सभी लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। मोग बौद्धों का सामाजिक-सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं में बर्मी बौद्ध धर्म के साथ घनिष्ठ संबंध है। मोग समुदाय मुख्य रूप से दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम और बेलोनिया में अधिवासित हैं।

34. 'blaNDM-1' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक प्रतिजैविक-प्रतिरोधी जीन है।
2. यह केवल भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: नई दिल्ली मैटलो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (blaNDM-1)

- **नई दिल्ली मैटलो-बीटा-लैक्टामेज़-1** (blaNDM-1) प्रतिजैविक-प्रतिरोधी जीन (Antibiotic-Resistant Gene-ARG) है, जिसके परिणामस्वरूप सूक्ष्मजीवों में बहु-औषधि प्रतिरोधकता (Multidrug-Resistant-MDR) का गुण पैदा हो जाता हैं।
    - सुपरबग जीन blaNDM-1, में एक मजबूत प्रतिरोध तंत्र होता है जो **नई दिल्ली मैटलो-बीटा-लैक्टामेज़-1 नामक एक एंजाइम** का उत्पादन करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने नई दिल्ली की सार्वजनिक जल आपूर्ति व्यवस्था में blaNDM-1 सुपरबग की खोज की थी। वैज्ञानिकों द्वारा विश्व के 100 से ज़्यादा देशों में **नई दिल्ली** सुपरबग जीन के होने की संभावना व्यक्त की गई है और कई जगहों पर इसके नए प्रकार भी देखने को मिले है।
    - यह जीवाणु (Bacteria) पाकिस्तान, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और जापान में भी पाया गया । **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- NDM-1 जीन, जीवाणुओं द्वारा कार्बापेनमेज़ (Carbapenemase) नामक एक एंजाइम के उत्पादन के लिये ज़िम्मेदार होता है। कार्बापेनमेज़ कार्बोपेनम (Carbapenems) सहित कई मुख्य प्रकार के प्रतिजैविकों को अप्रभावी कर देता है।
    - कार्बोपेनम प्रतिजैविक अत्यंत प्रभावशाली प्रतिजैविक दवाएँ हैं जिनका प्राय: गंभीर या उच्च जोखिम वाले जीवाणु संक्रमणों के उपचार में उपयोग किया जाता है। प्रतिजैविक दवाओं का यह वर्ग आमतौर पर ज्ञात या संभावित बहु-औषधि प्रतिरोधकता (MDR) जीवाणु संक्रमण के लिये उपयोग में लाया जाता है।

35. 'भूमि निम्नीकरण तटस्थता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भूमि निम्नीकरण तटस्थता का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा का संवर्द्धन करना है।
2. सतत् विकास लक्ष्य-16 का उद्देश्य भूमि निम्नीकरण तटस्थता को प्राप्त करना है।
3. बॉन चैलेंज का उद्देश्य निम्नीकृत भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (United Nations Convention to Combat Desertification-UNCCD) के अनुसार, भूमि निम्नीकरण तटस्थता (Land Degradation Neutrality-LDN) ऐसी अवस्था है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं एवं खाद्य सुरक्षा में वृद्धि हेतु आवश्यक भूमि संसाधनों की **मात्रा तथा गुणवत्ता निर्धारित कालिक और स्थानिक मानकों पर या तो स्थिर रहती है या बढती है। अतः कथन 1 सही है।**
- UNCCD ने अक्तूबर 2015 में COP-12 में अभिसमय के प्रमुख लक्ष्य के रूप में LDN को अपनाया था।
  - **SDG-15.3 का लक्ष्य** वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर भूमि **निम्नीकरण** तटस्थता (LDN) प्राप्त करना है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- 'बॉन चैलेंज' (Bonn Challenge) वर्ष 2020 तक विश्व की 150 मिलियन हेक्टेयर और वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर **निम्नीकृत** और गैर-वनीकृत भूमि का पुनर्स्थापन सुनिश्चित करने हेतु एक वैश्विक प्रयास है।
  - यह वर्ष 2011 में जर्मनी सरकार और IUCN द्वारा शुरू किया गया था। बाद में वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में न्यूयॉर्क घोषणा द्वारा इसे समर्थित और विस्तारित किया गया।
  - बॉन चैलेंज में **वन भू-परिदृश्य पुनर्स्थापन (Forest Landscape Restoration-FLR)** दृष्टिकोण का उपयोग शामिल है, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिक अखंडता (Ecological Integrity) को बहाल करना और बहुक्रियाशील परिदृश्यों के माध्यम से मानव कल्याण में सुधार करना है। **अतः कथन 3 सही है।**

36. निम्नलिखित में से किन-किन देशों को फार्म-टू-पोर्ट परियोजना के तहत शामिल किया जाएगा?

1. संयुक्त अरब अमीरात
2. सऊदी अरब
3. कतर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब ने अपनी खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिये भारत को एक आधार के रूप में उपयोग करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना को क्रियान्वित करने के लिये भारत सरकार द्वारा **फार्म-टू-पोर्ट परियोजना** की आधिकारिक रूप से घोषणा की गई है। यह एक **संगठित कार्पोरेटाइज्ड (Corporatized) फार्म जैसे विशेष आर्थिक क्षेत्र के समान होगा**, जहाँ UAE और सऊदी अरब के बाज़ारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए फसले उगाई जाएगी। **अतः विकल्प (c) सही है।**

37. तीस्ता नदी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. तीस्ता नदी का उद्गम वही है जो ब्रह्मपुत्र का है लेकिन यह सिक्किम से होकर बहती है।
2. रंगीत नदी की उत्पत्ति सिक्किम में होती है और यह तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है।
3. तीस्ता नदी, भारत और बांग्लादेश की सीमा पर बंगाल की खाड़ी में मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- तीस्ता/तिस्ता नदी उत्तरी सिक्किम हिमालय की त्सो ल्हामो (Tso Lhamo) झील से निकलती है और ब्रह्मपुत्र हिमालय की कैलाश पर्वतमाला से उत्पन्न होती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- तीस्ता सिक्किम और दार्जिलिंग पहाड़ियों के ढ़लानों से बहते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में विसर्पाकार पथ बनाते हुए फुलचोरी में ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- रंगीत, नदी की उत्पति सिक्किम में होती है और यह तीस्ता की सहायक नदी है। यह एक सदानीरा नदी है, गर्मियों में हिमालय की पिघलती हुई बर्फ तथा मानसून में इसे वर्षा द्वारा जल की प्राप्ति होती है। **अत: कथन 2 सही है।**

38. 'एकीकृत जलग्रहण विकास कार्यक्रम' को क्रियान्वित करने के क्या लाभ हैं?

1. मृदा अपवाह की रोकथाम
2. देश की बारहमासी नदियों को मौसमी नदियों से जोड़ना
3. वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण
4. प्राकृतिक वनस्पति का पुनर्जनन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एकीकृत जलग्रहण विकास कार्यक्रम (Integrated Watershed Development Programme-IWDP) ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- IWDP का मुख्य उद्देश्य मृदा, वनस्पति आवरण और जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, संरक्षण और विकास करके पारिस्थितिकीय संतुलन को बहाल करना है।
- जलग्रहण विकास में जलग्रहण क्षेत्र में प्राकृतिक (जैसे भूमि, जल, पौधे, जानवर) और मानव- सभी संसाधनों के संरक्षण, पुनर्जनन और विवेकपूर्ण उपयोग को शामिल किया जाता है।
- हालाँकि मौसमी नदियों के साथ देश की बारहमासी नदियों को जोड़ने का कार्य जलग्रहण विकास कार्यक्रम के तहत नहीं किया जाता है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

39.निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अंतर्भूत भाग के रूप में संरक्षित किया जाता है। निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प उपर्युक्त कथन सही एवं समुचित अर्थ को दर्शाता है?

(a) अनुच्छेद 14 और संविधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध।
(b) अनुच्छेद 17 और भाग IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व।
(c) अनुच्छेद 21 और भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएँ।
(d) अनुच्छेद 24 और संविधान के 44 वें संशोधन के अधीन उपबंध।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वर्ष 2017 में उच्चतम न्यायालय की नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ के मामले में सर्वसम्मति से पुष्टि की कि निजता का अधिकार भारतीय संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है।
- उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि निजता एक मौलिक अधिकार है क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी का अंतर्भूत भाग (Intrinsic) है।
- पीठ ने यह भी कहा कि निजता के तत्त्व संविधान के भाग III में निहित मौलिक अधिकारों द्वारा मान्यता प्राप्त और गारंटीकृत स्वतंत्रता और गरिमा के अन्य पहलुओं से अलग-अलग संदर्भों में भी उत्पन्न होते हैं। **अत: विकल्प (c) सही उत्तर है।**

40. संविधान के 42वें संशोधन द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत राज्य की नीति के निदेशक तत्त्वों में जोड़ा गया था?

(a) पुरुष और स्त्री दोनों के लिये समान कार्य हेतु समान वेतन।
(b) उद्योगों के प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता।
(c) काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता पाने का अधिकार।
(d) श्रमिकों के लिये निर्वाह-योग्य वेतन एवं काम की मानवीय दशाएँ सुनिश्चित करना।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, जिसे लघु-संविधान भी कहा जाता है, को वर्ष 1976 में पेश किया गया था। इस संशोधन के माध्यम से राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों में जोड़े गए अतिरिक्त तत्त्व निम्नलिखित थे-
  - ➢ **अनुच्छेद 39 में खंड (च) जोड़ा गया** जिसमे कहा गया कि 'राज्य अपनी नीति का संचालन इस प्रकार करेगा कि बच्चों को स्वतंत्र और गरिमामय वातावरण में स्वस्थ विकास के अवसर एवं सुविधाएँ दी जाएं और बच्चों एवं अल्पवय व्यक्तियों की शोषण तथा नैतिक और आर्थिक परित्याग से रक्षा की जाए।'
  - ➢ **नया अनुच्छेद 39क** जोड़ा गया जिसमें कहा गया कि 'राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि विधिक तंत्र इस प्रकार कार्य करे कि समान अवसर के आधार पर न्याय सुलभ हो और वह, विशिष्टतया, यह सुनिश्चित करने के लिये कि

आर्थिक या किसी अन्य निर्योग्यता के कारण कोई नागरिक न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रह जाए, उपयुक्त विधान या योजना द्वारा या किसी अन्य रीति से निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था करेगा।'

- ➢ **अनुच्छेद 43क** में उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी का प्रावधान है। राज्य किसी भी उद्योग में लगे उपक्रमों, प्रतिष्ठानों या अन्य संगठनों के प्रबंधन में कार्मिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये उपयुक्त विधान द्वारा या किसी अन्य रीति से कदम उठाएगा।
- ➢ **अनुच्छेद 48क** जोड़ा गया जिसमें पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्द्धन और वन तथा वन्यजीवों की रक्षा हेतु आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

अत: विकल्प (b) सही है।

41. भारत में संसदीय प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रधानमंत्री नाममात्र का कार्यकारी प्रमुख है जबकि राष्ट्रपति वास्तविक कार्यकारी प्रमुख है।
2. मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई सलाह राष्ट्रपति पर बाध्यकारी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: भारत में संसदीय सरकार की विशेषताएँ

- राष्ट्रपति नाममात्र का कार्यकारी (विधिक कार्यकारी) होता है, जबकि प्रधानमंत्री वास्तविक कार्यकारी (वास्तविक कार्यकारी) होता है। इस प्रकार, राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होता है, जबकि प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अनुच्छेद 74 में राष्ट्रपति को उसके कार्यों और कर्त्तव्यों के निर्वहन में सहायता एवं सलाह देने हेतु प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद का प्रावधान है। यह सलाह राष्ट्रपति के लिये बाध्यकारी है। 42वें (वर्ष 1976) और 44वें (वर्ष 1978) संविधान संशोधनों के पश्चात् मंत्रिपरिषद के परामर्श को स्वीकार करना राष्ट्रपति के लिये बाध्यकारी है। **अतः कथन 2 सही है।**

42. निम्नलिखित में से कौन-सी सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली की विशेषताएँ हैं?

1. दोहरी कार्यकारिणी
2. शक्तियों का पृथक्करण
3. स्पॉइल्स प्रणाली
4. उत्तरदायित्व का अभाव

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 4
(c) केवल 1
(d) केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **राष्ट्रपति प्रणाली की विशेषताएँ**

1. एकल कार्यकारिणी।
    - ❑ वास्तविक और नाममात्र का प्रमुख, सरकार की संसदीय प्रणाली की एक विशेषता है। नाममात्र का कार्यकारी राज्य का प्रमुख (अध्यक्ष या सम्राट) होता है, जबकि वास्तविक कार्यकारी प्रधानमंत्री हैं, जो सरकार का प्रमुख होता है। राष्ट्रपति प्रणाली में एकल कार्यकारिणी होती है जिसमें सरकार और राज्य का प्रमुख एक ही होता है।
2. राष्ट्रपति और विधायिका, एक निश्चित अवधि के लिये अलग-अलग चुने जाते हैं।
3. **उत्तरदायित्व का अभाव।**
4. राजनीतिक एकरूपता का अभाव।
5. एकल सदस्यता।
6. राष्ट्रपति की प्रभावी भूमिका।
7. निम्न सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव) का विघटन नहीं होता।
8. **शक्तियों का पृथक्करण।**
    - ❑ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका-सरकार के तीनों अंग एक-दूसरे से स्वतंत्र होते हैं।
9. **विशेषज्ञ सरकार:** राष्ट्रपति विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को संबंधित विभागों या मंत्रालयों का प्रमुख चुन सकता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सक्षम और विशेषज्ञ व्यक्ति ही सरकार का हिस्सा बने।
    - ○ **स्पॉइल्स प्रणाली:** राष्ट्रपति अपनी इच्छानुसार अधिकारियों का चयन कर सकता है। यह स्पॉइल्स प्रणाली को जन्म देता है जहाँ राष्ट्रपति के करीबी लोगों (संबंधी, व्यावसायिक सहयोगी आदि) को सरकार में भूमिकाएँ मिलती हैं।
10. **स्थिरता:** राष्ट्रपति का एक निश्चित कार्यकाल होता है, यह विधायिका में बहुमत के अधीन नहीं होता है।
    - ○ निर्णय लेने के लिये राष्ट्रपति पर कोई राजनीतिक दबाव नहीं होने के कारण सरकार के अचानक गिरने का कोई खतरा नहीं होता है।
11. **दलीय प्रणाली का कम प्रभाव:** कार्यकाल नियत होने से राजनीतिक दल सरकार को अस्थिर करने का प्रयास नहीं करते हैं।

अत: विकल्प (d) सही उत्तर है।

43. अंतर्राज्यीय परिषद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका गठन संविधान के अनुच्छेद-263 के तहत किया जा सकता है।
2. यह केवल सलाह देने का कार्य करता है।
3. पहली बार पूंछी आयोग द्वारा इसकी सिफारिश की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **अनुच्छेद-263 के अनुसार,** केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिये राष्ट्रपति द्वारा एक **अंतर्राज्यीय परिषद** (**Inter-State Council**) की स्थापना की जा सकती है, यदि किसी भी समय राष्ट्रपति को ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी परिषद का गठन सार्वजनिक हित में है। वह ऐसी परिषद के संगठन, कर्तव्यों और अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को परिभाषित कर सकता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- परिषद अंतर-राज्य, केंद्र-राज्य और केंद्र-संघ शासित प्रदेशों के संबंधों से संबंधित मुद्दों पर सलाहकारी निकाय का कार्य करती है। इसका उद्देश्य ऐसे मुद्दों पर जाँच, चर्चा और विचार-विमर्श करके उनके बीच समन्वय को बढ़ावा देना है। **अतः कथन 2 सही है।**
- केंद्र-राज्य संबंधों से संबंधित सरकारिया आयोग (1983-87) ने संविधान के अनुच्छेद-263 के तहत एक स्थायी अंतर्राज्यीय परिषद स्थापित करने का सुझाव दिया था जिसकी अनुपालना में वर्ष 1990 में ऐसी परिषद की स्थापना की गई थी। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

44. साइबर कानून विषय को किस सूची में शामिल किया गया है?

(a) संघ सूची
(b) राज्य सूची
(c) समवर्ती सूची
(d) अवशिष्ट विषय

उत्तर:(d)

व्याख्या:

- भारत का संविधान विषयों को तीन सूची में विभाजित करता है:
    - **संघ सूची:** वे विषय जिन पर संघ सरकार कानून बना सकती है।
    - **राज्य सूची:** इन विषयों पर राज्य सरकार कानून बना सकती है।
    - **समवर्ती सूची:** केंद्र और राज्य सरकार दोनों इन विषयों पर कानून बना सकती हैं।

अन्य सभी विषय जो उपरोक्त सूची में उल्लिखित नहीं हैं, वे अवशिष्ट विषय के अंतर्गत आते हैं। इन मामलों पर कानून बनाने की शक्ति केंद्र सरकार के पास है। यह प्रावधान कनाडा के संविधान से लिया गया है।

- **साइबर कानूनों** का उल्लेख संविधान की किसी भी सूची में नहीं किया गया है, इसलिये यह **अवशिष्ट विषयों** के दायरे में आता है। अनुच्छेद 248 के तहत संसद के

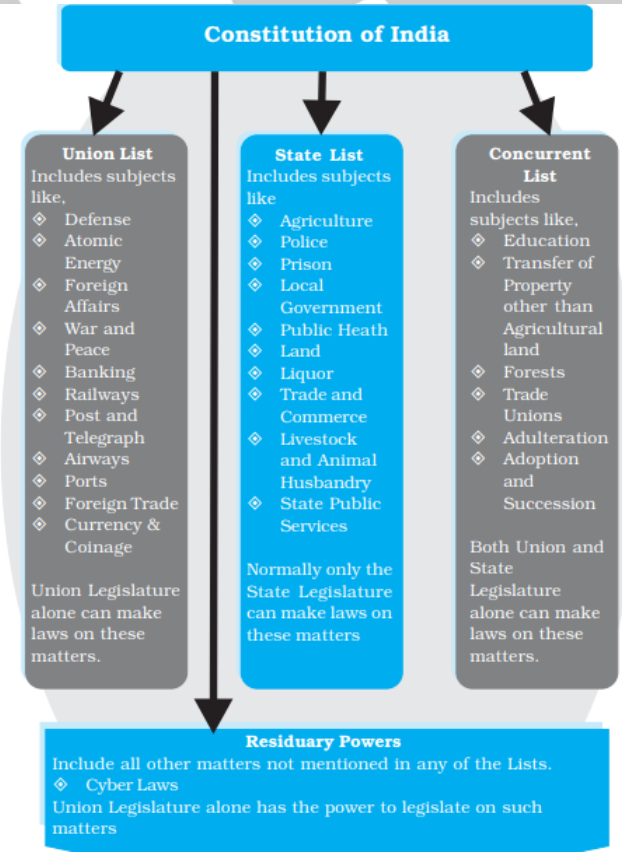

पास उन मामलों के संबंध में कानून बनाने की अनन्य शक्ति है, जो समवर्ती या राज्य सूची में शामिल नहीं है।

45. एक संघीय सरकार की विशिष्ट विशेषता है:

(a) राष्ट्रीय सरकार प्रांतीय सरकारों को कुछ शक्ति देती है।
(b) विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का वितरण किया जाता है।
(c) निर्वाचित प्रतिनिधि, सरकार में सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करते हैं।
(d) सरकार की शक्ति सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच विभाजित होती है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संघीय व्यवस्था में प्रांतीय सरकार संविधान से अपनी शक्ति प्राप्त करती है। जबकि एकात्मक सरकार में सत्ता का कोई विभाजन नहीं होता है। यदि प्रांतीय सरकारें मौजूद है, तो वे केंद्र सरकार से शक्ति प्राप्त करती हैं।
- विधायी, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का वितरण एकात्मक और संघीय प्रणाली दोनों की विशेषता हो सकती है। यह एक संघीय प्रणाली की विशिष्ट विशेषता नहीं है।
- संविधान किसी राष्ट्र का सर्वोच्च कानून है। केंद्र और राज्यों द्वारा अधिनियमित कानून इसके प्रावधानों के अनुरूप होने चाहिये। अन्यथा, न्यायिक समीक्षा की शक्ति के माध्यम से उन्हें उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालयों द्वारा अमान्य घोषित किया जा सकता है।
    - ❑ इस प्रकार, दोनों स्तरों पर सरकार के अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) को संविधान द्वारा निर्धारित अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करना चाहिये।

संघीय विशेषताएँ	एकात्मक विशेषताएँ
• दोहरी सरकार (राष्ट्रीय सरकार और क्षेत्रीय सरकार)	• एकल सरकार, यानी राष्ट्रीय सरकार जो क्षेत्रीय सरकारें बना सकती है।
• लिखित संविधान	• संविधान लिखित (फ्राँस) या अलिखित (ब्रिटेन) हो सकता है।
• राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सरकार के बीच शक्तियों का विभाजन	• शक्तियों का कोई विभाजन नहीं। सभी शक्तियाँ राष्ट्रीय सरकार में निहित।
• संविधान की सर्वोच्चता	• संविधान सर्वोच्च (जापान) हो सकता है या सर्वोच्च नहीं (ब्रिटेन) भी हो सकता है।
• कठोर संविधान	• संविधान कठोर (फ्राँस) या लचीला (ब्रिटेन) हो सकता है।
• स्वतंत्र न्यायपालिका	• न्यायपालिका स्वतंत्र हो सकती है या नहीं भी हो सकती है।
• द्विसदनीय विधानमंडल	• विधानमंडल द्विसदनीय (ब्रिटेन) या एकात्मक (चीन) हो सकता है।

46. वैधानिक अनुदानों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये सभी राज्यों को प्रतिवर्ष दिये जाते हैं।
2. ये भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं।
3. इनका संवितरण नीति आयोग की संस्तुति पर किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: वैधानिक अनुदान

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद-275 के तहत, संसद को उन राज्यों को अनुदान देने का अधिकार है, **जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, न कि प्रत्येक राज्य को**। साथ ही अलग-अलग राज्यों के लिये अलग-अलग राशि तय की जा सकती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह अनुदान सहायता प्रतिवर्ष भारत की संचित निधि पर भारित होती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- अनुच्छेद 275 के तहत वैधानिक अनुदान राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिश पर दिया जाता है, न कि नीति आयोग की सिफारिश पर। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

47. 'आपातकाल की घोषणा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संवैधानिक तंत्र की विफलता के आधार पर घोषित किया जाता है।
2. यह भारतीय संविधान के संघीय चरित्र का उल्लंघन करता है।
3. भारत में इस प्रकार का आपातकाल तीन बार घोषित किया जा चुका है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल का उल्लेख है:

1. युद्ध, बाह्य आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह के कारण आपातकाल (अनुच्छेद 352) को 'राष्ट्रीय आपातकाल' के नाम से जाना जाता है।
    - ❑ 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द को 'आंतरिक अशांति' के स्थान पर शामिल किया गया था।

2. राज्यों में संवैधानिक तंत्र की विफलता के कारण आपातकाल को राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) के नाम से जाना जाता है।
3. भारत की वित्तीय स्थायित्व अथवा साख के खतरे के कारण अधिरोपित आपातकाल, वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360) कहलाता है।

संविधान में अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल के लिये 'आपातकाल की घोषणा' वाक्यांश का प्रयोग किया गया है।

- राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के कारण आपातकाल (अनुच्छेद 356) को राष्ट्रपति शासन के रूप में जाना जाता है।
  - ❑ इसे दो अन्य नामों- 'राज्य आपातकाल' या 'संवैधानिक आपातकाल' के नाम से भी जाना जाता है। हालाँकि संविधान इस स्थिति के लिये 'आपातकाल' शब्द का प्रयोग नहीं करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान केंद्र को किसी राज्य को किसी भी 'विषय' पर कार्यकारी निर्देश देने की शक्ति प्राप्त हो जाती है। इस प्रकार राज्य सरकारों को पूर्णत: केंद्र के नियंत्रण में लाया जाता है, यद्यपि राज्य सरकारों को निलंबित नहीं किया जाता है।
  - ❑ यह संविधान में बिना किसी औपचारिक संशोधन के संघीय ढाँचे को एकात्मक में परिवर्तित करता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- अभी तक देश में तीन बार राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया गया है। पहली बार 26 अक्तूबर, 1962 को चीन द्वारा देश की उत्तर-पूर्वी सीमा पर हमला करने के बाद आपातकाल घोषित किया गया था। इसे जनवरी 1968 में हटा लिया गया।
  - ❑ 3 दिसंबर, 1971 को दूसरे भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण दूसरा आपातकाल घोषित किया गया था जिसे 21 मार्च, 1977 को हटा लिया गया।
  - ❑ जब बाह्य आक्रमण के आधार पर दूसरा आपातकाल जारी था, तीसरा राष्ट्रीय आपातकाल (जिसे आंतरिक आपातकाल कहा जाता है) 25 जून, 1975 को लगाया गया था। यह आपातकाल 'आंतरिक उपद्रव' के आधार पर घोषित किया गया था जिसे 21 मार्च, 1977 में हटा लिया गया था। **अतः कथन 3 सही है।**

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नदी बोर्ड अधिनियम,1956 अंतर्राज्यीय नदियों और नदी घाटियों के विनियमन और विकास हेतु अधिनियमित किया गया है।
2. "जल' भारतीय संविधान की समवर्ती सूची के तहत सूचीबद्ध है।
3. संसद, अंतर्राज्यीय जल विवादों पर न्यायालयों को अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने से रोक सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अंतर्राज्यीय नदियों और नदी घाटियों के विनियमन एवं विकास हेतु विभिन्न नदी बोर्डों की स्थापना के लिये वर्ष 1956 में नदी बोर्ड अधिनियम बनाया गया था। नदी बोर्ड का गठन समन्वयन और विवादों के समाधान पर परामर्श देने हेतु किया जाता है तथा अपने अधिदेश के अनुसार, यह नदी विवाद संबंधी मामलों में सरकार को महत्त्वपूर्ण सलाह देता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- सातवीं अनुसूची की सूची II (राज्य सूची) के तहत प्रविष्टि-17 में कहा गया है कि:

- "जल, अर्थात् जल आपूर्ति, सिंचाई और नहरें, जल निकास और तटबंध, जल भंडारण और जल शक्ति सूची-I (संघ सूची) की प्रविष्टि-56 के प्रावधानों के अधीन है।"
- सार्वजनिक हित में समीचीन होने पर केंद्र सरकार को संसद द्वारा निर्धारित वैधानिक सीमा के तहत सातवीं अनुसूची की सूची-I की प्रविष्टि 56 के तहत अंतर्राज्यीय नदियों के विनियमन और विकास की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 262 में अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद के निपटान संबंधित दो मुख्य प्रावधान निम्नलिखित है:
  - संसद अंतर्राज्यीय नदी और नदी घाटी के जल के उपयोग, वितरण और नियंत्रण के संबंध में किसी भी विवाद या शिकायत के न्यायनिर्णयन के लिये कानून बना सकती है।
  - संसद यह भी प्रावधान कर सकती है कि उच्चतम न्यायालय या कोई अन्य न्यायालय ऐसे मामले में अपने न्यायिक अधिकार क्षेत्र का प्रयोग न करें। **अतः कथन 3 सही है।**

49. निम्नलिखित में से कौन-से कारक भारतीय मानसून को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं?
    1. विभेदकारी ऊष्मन और शीतलन
    2. गंगा के मैदान की ओर ITCZ का स्थानांतरण
    3. हिंद महासागर में उच्च-दाब युक्त क्षेत्र
    4. एल-नीनो दक्षिणी दोलन

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1 और 4
(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मानसून उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में लगभग 20° उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों के बीच की परिघटना है। मानसून का तंत्र निम्नलिखित कारकों के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ा हुआ है:
  - स्थल भाग और जलीय भाग के ऊष्मन और शीतलन में अंतर के कारण भारत के भू-भाग पर निम्न दाब युक्त क्षेत्र बनता है, जबकि निकटवर्ती समुद्र पर तुलनात्मक रूप से उच्च दाब का क्षेत्र निर्मित होता है।
  - ग्रीष्मकाल में गंगा के मैदान की ओर अंत: उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (Inter Tropical Convergence Zone- ITCZ) का स्थानांतरण। (सामान्यत: यह विषुवतरेखीय गर्त लगभग 5° उत्तरी अक्षांश पर भूमध्य रेखा के आस-पास स्थित होता है। मानसून के दौरान इसे मानसून गर्त के रूप में भी जाना जाता है)।
  - मेडागास्कर के पूर्व में भूमध्य रेखा से लगभग 20° दक्षिणी अक्षांश पर उच्च दाब वाले क्षेत्र की उपस्थिति। इस उच्च दाब की तीव्रता और स्थिति भारतीय मानसून को प्रभावित करती है।
  - ग्रीष्मकाल के दौरान तिब्बत पठार अत्यधिक गर्म हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप मज़बूत ऊर्ध्वाधर हवाएँ और समुद्र तल से लगभग 9 किमी की ऊंचाई पर पठार पर निम्न दाब का निर्माण होता है।
  - हिमालय के उत्तर में पछुआ जेट स्ट्रीम की गति और गर्मियों के दौरान भारतीय प्रायद्वीप के ऊपर उष्णकटिबंधीय जेट स्ट्रीम की उपस्थिति।

- उष्णकटिबंधीय पूर्वी दक्षिण प्रशांत महासागर उच्च दाब का अनुभव करता है, उष्णकटिबंधीय पूर्वी हिंद महासागर निम्न दबाव का अनुभव करता है। लेकिन कुछ वर्षों में, दाब की स्थिति में परिवर्तन होता है और पूर्वी हिंद महासागर की तुलना में पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में कम दबाव होता है। दबाव की स्थिति में इस आवधिक परिवर्तन को **दक्षिणी दोलन (Southern Oscillation/SO)** के रूप में जाना जाता है।
    - दक्षिणी दोलन से जुड़ी एक विशेषता एल नीनो परिघटना है जिसमें प्रति 2 से 5 वर्ष में पेरू के तट पर ठंडी धारा के स्थान पर एक उष्ण धारा का प्रवाह होने लगता है। दबाव की स्थिति में परिवर्तन एल नीनो से संबंधित हैं। इसलिये इस परिघटना को ENSO (एल नीनो दक्षिणी दोलन) के रूप में जाना जाता है।
- पूर्वी प्रशांत महासागर में ताहिती (18°S/149°W) और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में डार्विन (हिंद महासागर, 12°30'S/131°E) के बीच दबाव के अंतर का मानसून की तीव्रता के पूर्वानुमान में उपयोग किया जाता है। दबाव का नकारात्मक अंतर, मानसून के औसत से कम रहने और देर से आने का सूचक होता है।

अत: विकल्प (d) सही है।

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के उत्तरी मैदान पर शीत ऋतु का कारण चक्रवातीय विक्षोभ है।
2. भूमध्य सागर और पश्चिमी एशिया में उत्पन्न, निम्न दाब प्रणाली भारत में प्रवेश करती है।
3. पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ खरीफ की फसलों के लिये महत्त्वपूर्ण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से चक्रवातीय विक्षोभ का अंतर्वाह भारत के उत्तरी मैदान में शीत ऋतु की प्रमुख विशेषता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- ये निम्न दाब प्रणालियाँ भूमध्य सागर और पश्चिमी एशिया में उत्पन्न होती हैं और पछुआ प्रवाह के साथ भारत में प्रवेश करती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- ये मैदानी क्षेत्रों में आवश्यक वर्षा तथा पहाड़ों में हिमपात के लिये उत्तरदायी है। यद्यपि शीतकाल में होने वाली वर्षा जिसे स्थानीय रूप से 'मावठ' के रूप में जाना जाता है, की मात्रा कम होती है परन्तु रबी की फसलों के लिये यह काफी महत्त्वपूर्ण है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

51. नीचे दिये गए अनुच्छेद में उल्लिखित अवस्थिति की पहचान कीजिये?

यह एक राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य है। इसे यूनेस्को के प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है। इसे प्रोजेक्ट टाइगर रिज़र्व, एलिफेंट रिज़र्व और बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह हिमालय की तलहटी में, असम राज्य में अवस्थित है। यह भूटान की सीमा को स्पर्श करता है।

(a) मानस राष्ट्रीय उद्यान
(b) सरिस्का टाइगर रिज़र्व
(c) सुंदरबन वन्यजीव अभ्यारण्य
(d) कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मानस राष्ट्रीय उद्यान (MNP) असम में अवस्थित एक राष्ट्रीय उद्यान, प्रोजेक्ट टाइगर रिज़र्व, एलिफेंट रिज़र्व और एक बायोस्फीयर रिज़र्व है।
- यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। यह असम में भारत-भूटान सीमा पर 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
    - मानस नेशनल पार्क कई दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों जिनमें बाघ, रायनो, स्वैम्प मृग और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं, आदि का आवास स्थल है।
- यह हिमालय की तलहटी में स्थित है। यह भूटान के रॉयल मानस नेशनल पार्क के साथ जुड़ा हुआ है।
- मानस राष्ट्रीय उद्यान की उत्तरी दिशा में भूटान है जिसमें 1,000 वर्ग किमी० तक इस वन का विस्तार है।
- मानस नदी, जो उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है, का बेसिन भूटान का सबसे बड़ा नदी बेसिन है। भूटान में यह 272 किमी. तक बहती है और असम में ब्रह्मपुत्र नदी में मिलने तक 104 किमी. तक प्रवाहित होती है और अंततः बंगाल की खाड़ी में गिरती है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

52. हाल ही में समाचारों में रहा 'कवचुआह रोपुई विरासत स्थल' कहाँ अवस्थित है?

(a) मिज़ोरम
(b) असम
(c) मणिपुर
(d) त्रिपुरा

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India-ASI) द्वारा म्याँमार की सीमा पर अवस्थित **मिज़ोरम** के चम्फाई (Champhai) ज़िले के एक गाँव वांगछिया (Vangchhia) में प्राचीन सभ्यता के अवशेषों की खोज की है। इस स्थल को **'कवचुआह रोपुई विरासत स्थल'** (Kawtchhuah Ropui Heritage Site) नाम दिया गया है।
- कवचुआह रोपुई विरासत स्थल भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारकों के अंतर्गत मिज़ोरम का पहला स्थल है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

53. हाल ही में समाचार में देखा गया INSTEX है:

(a) रिमोट सेंसिंग उपग्रह
(b) ईरान और यूरोपीय संघ के देशों के बीच वित्तीय व्यापार तंत्र
(c) सुरक्षा समझौता
(d) दिशा-निर्देशन प्रणाली

उत्तर: (b)

व्याख्या: इंसटेक्स (INSTEX) **वस्तु विनिमय के समर्थन में उपकरण** (**Instrument in Support of Trade Exchanges**) का संक्षिप्त रूप है। यह एक विशेष प्रयोजन वाहन है जिसका उद्देश्य **यूरोपीय आर्थिक प्रचालकों और ईरान के बीच वैध व्यापार की सुविधा प्रदान कराना है** और ईरान परमाणु समझौते के संरक्षण में सहायता करना है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

- इंसटेक्स वस्तु विनिमय तंत्र जनवरी 2019 में स्थापित किया गया था।
    - इसका उद्देश्य डॉलर का प्रयोग न करते हुए ईरान पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को दरकिनार कर ईरान के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित करना है।

- इंसटेक्स का दायरा आरंभ में चिकित्सा, चिकित्सा उपकरणों और भोजन जैसे मानवीय सामानों तक ही सीमित है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से लक्षित नहीं हैं।

54. चक्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एक चक्रीय अर्थव्यवस्था प्रणाली के भीतर पोषक तत्वों के प्रवाह को प्रोत्साहित करके प्राकृतिक पूंजी का संवर्द्धन करती है।
2. यह अर्थव्यवस्था में संसाधनों के नवीनीकरण की अवधारणा पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- चक्रीय अर्थव्यवस्था बंद परिपथ (Closed loops) आधारित एक आर्थिक प्रणाली है जिसमें कच्चे माल, घटकों और उत्पादों के मूल्य को न्यूनतम करने का प्रयास तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जाता है।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था व्यवस्था के भीतर पोषक तत्त्वों के प्रवाह के प्रोत्साहन और मृदा एवं अन्य जीवित प्रणालियों के पुनरुद्धार के लिये परिस्थितियों का निर्माण करके प्राकृतिक पूंजी को बढ़ावा देती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- चक्रीय अर्थव्यवस्था तकनीकी और जैविक दोनों चक्रों में, हर समय अपनी उच्चतम उपयोगिता पर उत्पादों, घटकों और सामग्रियों को परिचालित करके संसाधन उत्पादकता को इष्टतम बनाती है। यह उत्पादों, घटकों और सामग्रियों को चक्रीकृत रखने और अर्थव्यवस्था में योगदान देने हेतु नवीनीकरण, पुनर्विनिर्माण एवं पुनर्चक्रण के लिये डिज़ाइनिंग पर ज़ोर देती है।

  अतः कथन 2 सही है।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था नकारात्मक बाह्यताओं की पहचान करने और उन्हें न्यूनतम करके तंत्र की प्रभावशीलता में वृद्धि करती है।
    - आर्थिक गतिविधियों की नकारात्मक बाह्यताओं में भूमि क्षरण, वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण, विषाक्त पदार्थों का निस्तारण और GHG उत्सर्जन शामिल हैं। दूसरे शब्दों में, चक्रीय अर्थव्यवस्था इन बाह्यताओं की लागत को उजागर कर, इनके जोखिम और संभावित आर्थिक प्रभाव को रेखांकित करती है।

55. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'विज़न ज़ीरो सम्मेलन' किससे संबंधित है?

(a) शून्य परमाणु हथियारों के लक्ष्य को प्राप्त करने से
(b) शून्य हरित गृह गैस उत्सर्जन को प्राप्त करने से
(c) रासायनिक और जैविक हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति से
(d) व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य से

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **व्यावसायिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य** (Occupational Safety and Health-OSH) पर 'विज़न ज़ीरो' तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन फरवरी 2019 में मुंबई में किया गया।
- 'विज़न ज़ीरो' इस धारणा पर आधारित है कि सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण तीन प्रमुख मूल्यों को बढ़ावा देकर दुर्घटनाओं, बीमारियों और कार्य स्थल पर होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

56. 'बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग' पारंपरिक कला का संबंध किस राज्य से है?

(a) महाराष्ट्र
(b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश
(d) आंध्र प्रदेश

उत्तर: (b)

व्याख्या:

'बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग' छपाई की एक पारंपरिक तकनीक है, जिसमें **राजस्थान** के बगरू गाँव के छीपा समुदाय के लोग सिद्धहस्त हैं।

- यह लकड़ी के साँचों (ब्लॉक्स) के साथ प्राकृतिक रंगों के उपयोग के कारण प्रसिद्ध है।
- हाल ही में छीपा समुदाय की हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग को प्रदर्शित करने के लिये राजस्थान के बगरू में तितानवाला संग्रहालय (Titanwala Museum) का उद्घाटन किया गया है।

57. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा के निम्नलिखित में से कौन-से परिणामों का होना आवश्यक **नहीं** है?

1. राज्य विधान सभा का विघटन
2. राज्य की मंत्रिपरिषद को हटाया जाना
3. स्थानीय निकायों का विघटन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- संविधान के अनुच्छेद-356 के तहत एक राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जिसमें राज्य सरकार का संचालन संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं किया जा सकता।
- राष्ट्रपति शासन लगाने की प्रत्येक उद्घोषणा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखी जाएगी और घोषणा जारी होने की तिथि से दो महीने की अवधि में दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन हो जाना चाहिये।
- संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित होने पर राष्ट्रपति शासन 6 माह तक जारी रहता है और इसे प्रत्येक 6 माह में संसद की स्वीकृति से अधिकतम 3 वर्षों के लिये बढ़ाया जा सकता है।

राष्ट्रपति शासन के परिणाम

- राष्ट्रपति राज्य सरकार के सभी या कोई कार्य अपने हाथ में ले लेता है या वह राज्यपाल या किसी अन्य कार्यकारी प्राधिकरण में उन सभी या किसी भी कार्य को निहित कर सकता है।
- राष्ट्रपति राज्य विधानसभा को भंग कर सकता है या उसे निलंबित कर सकता है। विधानसभा का विघटन आवश्यक नहीं है। वह संसद को राज्य विधान मंडल की ओर से कानून बनाने के लिये अधिकृत कर सकता है।
- मंत्रिपरिषद आवश्यक रूप से कार्यालय से त्यागपत्र दे देती है।
- राष्ट्रपति शासन की घोषणा से स्थानीय निकाय प्रभावित नहीं होते हैं।
- जब राज्य विधायिका निलंबित या भंग कर दी जाती है तो संसद राज्य के लिये कानून बनाने की शक्ति राष्ट्रपति या उसके द्वारा निर्दिष्ट किसी अन्य निकाय को सौंप सकती है।

अत: विकल्प (b) सही है।

58. राष्ट्रीय हित में भारत की संसद राज्य सूची के किसी भी विषय पर कानून बनाने की शक्ति प्राप्त कर लेती है यदि इसके लिये एक संकल्प-

(a) लोकसभा द्वारा अपनी कुल सदस्यता के साधारण बहुमत से पारित कर लिया जाए।
(b) लोकसभा द्वारा अपनी कुल सदस्यता के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से पारित कर लिया जाए।
(c) राज्यसभा द्वारा अपनी कुल सदस्यता के साधारण बहुमत से पारित कर लिया जाए।
(d) राज्यसभा द्वारा अपने उपस्थित एवं मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से पारित कर लिया जाए।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संविधान की सातवीं अनुसूची में केंद्र एवं राज्यों के बीच विधायी विषयों को तीन सूचियों-संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में विभाजित किया गया है। कुछ परिस्थितियों को छोड़कर राज्यों को राज्य सूची के विषयों पर पूरा अधिकार क्षेत्र है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद-249 के अनुसार, राज्यसभा उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से राष्ट्र हित में राज्य सूची के विषय पर कानून बनाने हेतु संसद को अधिकृत कर सकती है।
- ऐसा संकल्प जब तक प्रवृत्त है तब तक संकल्प में निर्दिष्ट राज्य सूची के विषय पर संसद उस विषय के संबंध में भारत के पूरे राज्य-क्षेत्र या किसी भी भाग के लिये कानून बना सकती है।

अत: विकल्प (d) सही है।

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में हिमालय केवल पाँच राज्यों में फैला हुआ है।
2. पश्चिम घाट केवल पाँच राज्यों में फैला हुआ है।
3. पुलिकट झील केवल दो राज्यों में फैली हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय हिमालयी क्षेत्र 2 केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) और 11 राज्यों में फैला हुआ है। इन 11 राज्यों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल शामिल है।
- पश्चिमी घाट छह राज्यों-केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात में फैला हुआ हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- पुलिकट झील चिल्का झील (ओडिशा में) के बाद दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और दो राज्यों- तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में विस्तृत है

अत: विकल्प (b) सही है।

60. भारत की लैटेराइट मृदाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. ये आम तौर पर लाल रंग की होती हैं।

2. ये नाइट्रोजन और पोटॉश से समृद्ध होती हैं।

3. इनका राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अच्छा विकास हुआ है।

4. इन मृदाओं में टैपिओका और काजू की अच्छी उपज होती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1 और 4

(d) केवल 2 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या :

- लैटेराइट लैटिन शब्द 'लैटर' से लिया गया है जिसका अर्थ है ईंट। लैटेराइट मिट्टी उच्च तापमान और भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होती हैं। ये मिट्टियाँ उष्णकटिबंधीय वर्षा, आर्द्र एवं शुष्क ऋतुओं की बारम्बारता के कारण हुए निक्षालन का परिणाम है।
- वर्षा के साथ चूना और सिलिका तो निक्षालित हो जाते हैं लेकिन लोहे के ऑक्साइड और एल्यूमीनियम के यौगिक से समृद्ध मृदा शेष रह जाती है।
- मिट्टी का ह्यूमस तत्त्व बैक्टीरिया द्वारा हटा दिया जाता है जो उच्च तापमान में पनपता है, जिससे मृदा में कार्बनिक पदार्थों, नाइट्रोजन, फॉस्फेट और कैल्शियम की कमी हो जाती है जबकि लौह ऑक्साइड और पोटाश अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- लौह ऑक्साइड और पोटाश की अधिक उपस्थिति के कारण इस मिट्टी का रंग प्राय: लाल होता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- लैटेराइट मिट्टी का विकास मुख्य रूप से प्रायद्वीपीय पठार के ऊँचे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हुआ है। यह मुख्यत: कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और ओडिशा तथा असम के पहाड़ी क्षेत्रों में फैली हुई है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- टैपिओका कसावा पौधे से निकाला गया एक स्टार्च है, जो प्राय: लाल लैटेराइट दोमट मृदा में अच्छी तरह विकसित होता है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व केरल में काजू, टैपियोका, मसाले आदि की खेती के लिये ये मृदाएँ उपयुक्त है। **अत: कथन 4 सही है।**

61. भारत के राष्ट्रपति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संघ की कार्यकारी शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है।
2. राष्ट्रपति के पास विवेकाधीन शक्तियाँ नहीं हैं।
3. राष्ट्रपति संसद का एक अंग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1

(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान संघ सरकार की सभी कार्यकारी शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित करता है। राष्ट्रपति नाममात्र का कार्यकारी प्रमुख या राज्य का एक संवैधानिक प्रमुख है।

- ❑ भारतीय संविधान के अनुसार, भारत सरकार के सभी शासन संबंधी कार्य उसके नाम पर किये जाते हैं, राष्ट्रपति अपनी कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री की नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद की सहायता व परामर्श से करता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- राष्ट्रपति को सभी महत्त्वपूर्ण मामलों और मंत्रिपरिषद के विचार-विमर्श से अवगत होने का अधिकार है। कम-से-कम तीन स्थितियाँ ऐसी हैं जहाँ राष्ट्रपति अपने विवेक से शक्तियों का प्रयोग कर सकता है-
  - ❑ राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई सलाह पर पुनर्विचार के लिये कह सकता है। ऐसा करने में राष्ट्रपति अपने विवेक का प्रयोग करता है।
  - ❑ राष्ट्रपति के पास वीटो शक्तियाँ हैं जिससे वह संसद द्वारा पारित विधेयकों (धन विधेयक को छोड़कर) को अपनी स्वीकृति को सुरक्षित रख सकता है या स्वीकृति देने से मना कर सकता है।
  - ❑ भारत में प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। अपूर्ण बहुमत की स्थिति में राष्ट्रपति यह निर्णय लेने में कि किसे पूर्ण बहुमत हेतु समर्थन प्राप्त हो सकता है अथवा सरकार का गठन कर उसे चला सकता हैं, के मामले में अपनी विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- भारतीय संविधान के अंतर्गत संसद में तीन भाग शामिल हैं:
  - ❑ लोकसभा
  - ❑ राज्यसभा
  - ❑ राष्ट्रपति
- राष्ट्रपति संसद का सदस्य नहीं है, लेकिन संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के बिना कानून नहीं बन सकता है। इसलिये, वह संसद का अभिन्न अंग है। **अतः कथन 3 सही है।**

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सुंदरबन मैंग्रोव वन गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा पर स्थित है।
2. यह क्षेत्र भारत और बांग्लादेश में फैला हुआ है।
3. यह कई दुर्लभ और वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त वन्यजीवों की प्रजातियों जैसे कि प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर, गंगा की डॉल्फिन और ऑलिव रिडले कछुओं का आवास है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सुंदरबन मैंग्रोव वन बंगाल की खाड़ी में गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा पर अवस्थित है जो भारत और बांग्लादेश दोनों देशों में विस्तृत दलदलीय वन क्षेत्र है। वर्ष 1987 में अद्वितीय जैव विविधता के लिये सुंदरबन की पहचान यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल के रूप में की गई थी। **अतः कथन 1 सही है।**
  - बंगाल की खाड़ी में सुंदरबन निम्नस्थ द्वीपों का एक समूह है। भारत में यह सुंदरबन बाघ आरक्षित स्थल और 24 परगना (दक्षिण) वन प्रभाग में विभाजित है। बांग्लादेश के खुलना प्रभाग के साथ संयुक्त रूप से यह दुनिया में एकमात्र मैंग्रोव वन है जहां बाघ पाए जाते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

- सुंदरबन मैंग्रोव वन जीव-जंतुओं की व्यापक जैव-विविधता के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें लगभग 260 पक्षी प्रजातियाँ, बंगाल टाइगर और कई अन्य संकटग्रस्त प्रजातियाँ शामिल है। यह कई दुर्लभ और वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त वन्यजीवों की प्रजातियों जैसे कि ज्वारनदमुख मगरमच्छ (Estuarine Crocodile), रॉयल बंगाल टाइगर (Royal Bengal Tiger), वॉटर मॉनिटर छिपकली (Water monitor lizard), गंगा डॉल्फिन (Gangetic Dolphin) और ऑलिव रिडले (Olive Ridley) कछुओं का आवास स्थल है। **अतः कथन 3 सही है।**

63. भारत के उपराष्ट्रपति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।
2. वह संसद का अंग नहीं है।
3. 11वें संविधान संशोधन में उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिये संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के प्रावधान को हटा दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत के संविधान का अनुच्छेद 63 यह उपबंध करता है कि भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। अनुच्छेद 64 और 89 (1) में कहा गया है कि भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होगा और कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा। **अतः कथन 1 सही है।**
    - ❑ संवैधानिक व्यवस्था में, उप-राष्ट्रपति पद का धारक कार्यपालिका का अंग होता है, लेकिन राज्यसभा के अध्यक्ष के रूप में वह संसद का अंग होता है। इस प्रकार उसकी दोहरी भूमिका होती है और दो अलग-अलग और पृथक पद धारण करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- संविधान के अनुच्छेद 66 (1) के अंतर्गत, उप-राष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों की संयुक्त बैठक द्वारा किया जाता था। यह प्रक्रिया वर्ष 1961 के 11वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा हटा दी गई।
    - ❑ मूल संविधान में शामिल वाक्यांश "संसद के दोनों सदनों के सदस्यों की एक समवेत संयुक्त बैठक" को "संसद के दोनों सदनों के सदस्यों वाले निर्वाचक मंडल के सदस्यों" द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। **अतः कथन 3 सही है।**

64. भारत में राज्य के राज्यपाल के कार्यालय के संदर्भ में सही उत्तर चुनिये:.

(a) राज्य के राज्यपाल का कार्यालय एक वैधानिक कार्यालय है।
(b) राज्यपाल को पद की शपथ राष्ट्रपति द्वारा दिलाई जाती है।
(c) राज्यपाल को राष्ट्रपति की तुलना में अधिक विवेकाधीन शक्तियाँ प्राप्त है।
(d) राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि का होता है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- राज्यपाल राज्य का कार्यकारी प्रमुख होता है। राज्यपाल केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। वह राष्ट्रपति के मुहर लगे आज्ञापत्र के माध्यम से नियुक्त किया जाता है।
    - ❑ वर्ष 1979 में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राज्य के राज्यपाल का कार्यालय केंद्र सरकार के अधीन रोज़गार नहीं है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक कार्यालय है और यह केंद्र सरकार के अधीनस्थ नहीं है।
- राज्यपाल को पद की शपथ संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश दिलाता है। उसकी अनुपस्थिति में उपलब्ध वरिष्ठतम न्यायाधीश शपथ दिलाता है।
- राष्ट्रपति द्वारा प्राप्त स्थितिजन्य विवेकाधीन शक्तियों के अलावा राज्यपाल को निम्नलिखित विवेकाधीन शक्तियाँ प्राप्त है:
    - ❑ राष्ट्रपति के विचार के लिये किसी विधेयक को आरक्षित करना।
    - ❑ राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करना।
    - ❑ पड़ोस के केंद्रशासित राज्य में (अतिरिक्त प्रभार की स्थिति में) प्रशासक के रूप में अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के समय।
    - ❑ असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम के राज्यपाल द्वारा खनिज उत्खनन की रॉयल्टी के रूप में जनजाति ज़िला परिषद को देय राशि का निर्धारण करना। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- राज्यपाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से पाँच वर्ष तक अपने पद पर बना रहता है। हालाँकि पाँच वर्ष का यह कार्यकाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत होता है। इसके अलावा वह राष्ट्रपति को त्याग पत्र देकर किसी भी समय सेवानिवृत्त हो सकता है।

65. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर बना रहता है।
2. प्रधानमंत्री के त्यागपत्र से मंत्रिपरिषद स्वत: विघटित हो जाती है।
3. प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को संसद भंग करने की अनुशंसा करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री का कार्यकाल निश्चित नहीं है तथा वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। हालाँकि इसका अर्थ यह नहीं है कि राष्ट्रपति किसी भी समय प्रधानमंत्री को उसके पद से हटा सकता है। जब तक प्रधानमंत्री को लोकसभा में बहुमत प्राप्त है, राष्ट्रपति उसे बर्खास्त नहीं कर सकता है। लेकिन लोकसभा में प्रधानमंत्री अपना विश्वास मत खो देता है, तो उसे त्यागपत्र देना होगा अथवा त्यागपत्र न देने पर राष्ट्रपति उसे बर्खास्त कर सकता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है, अतः जब प्रधानमंत्री त्यागपत्र देता है अथवा उसकी मृत्यु हो जाती है तो अन्य मंत्री भी कार्य नहीं कर सकते। अन्य शब्दों में, प्रधानमंत्री की मृत्यु अथवा त्यागपत्र से मंत्रिपरिषद स्वयं ही विघटित हो जाती है और एक शून्यता उत्पन्न हो जाती है। दूसरी ओर किसी अन्य मंत्री की मृत्यु या त्यागपत्र से केवल उस पद पर रिक्तता उत्पन्न होती है जिसे भरने के लिये प्रधानमंत्री स्वतंत्र होता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- प्रधानमंत्री निचले सदन का नेता होता है। इस क्षमता में वह निम्नलिखित शक्तियों का प्रयोग करता है:
    - ○ वह संसद के सत्रों को आहूत और सत्रावसान करने के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है।

- **वह किसी भी समय राष्ट्रपति से लोकसभा को विघटित करने की सिफारिश कर सकता है। अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- वह सदन के पटल पर सरकार की नीतियों की घोषणा करता है।

66. उस स्थान की पहचान कीजिये जहाँ अगस्त्यार्कूदम शिखर अवस्थित है?

(a) केरल
(b) तेलंगाना
(c) कर्नाटक
(d) आंध्र प्रदेश

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अगस्त्यार्कूदम (Agasthyarkoodam) चोटी की ऊँचाई 1,868 मीटर है। यह **केरल** राज्य की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
- 2,695 मीटर की ऊँचाई पर अवस्थित अनाईमुडी (Anai Mudi) पश्चिमी घाट और दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी है।
  - तलहटी पर रहने वाली स्थानीय कानी जनजातियों के अनुसार, यह पर्वत शृंखला उनके आराध्य 'अगस्त्य मुनि' का पवित्र निवास स्थान है जिन्हें यह जनजाति अपना संरक्षक मानती है।
  - अगस्त्यार्कूदम चोटी केरल के अगस्त्यमाला जीवमंडल रिज़र्व में नेय्यर वन्यजीव अभयारण्य (Neyyar Wildlife Sanctuary) में स्थित है।
  - अगस्त्यामला जीवमंडल रिज़र्व मार्च 2016 में यूनेस्को द्वारा अपने 'वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ़ बायोस्फीयर रिज़र्व' में जोड़े गए 20 नए स्थलों में से एक है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय संविधान में मंत्रिमंडलीय समितियों का उल्लेख नहीं है।
2. हाल ही में सरकार ने रोज़गार और कौशल विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति का गठन किया है।
3. सभी मंत्रिमंडलीय समितियों का नेतृत्व भारत के प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मंत्रिमंडलीय समिति का गठन भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 द्वारा किया जाता है। ये सरकार के कार्यकारी अंग का विस्तार है। मंत्रिमंडल के कार्यभार को कम करके इसे प्रभावी और सुविधाजनक तरीके से संचालित करने का कार्य सौंपा गया है।
  - मंत्रिमंडलीय समितियाँ संविधानेत्तर निकाय हैं। मंत्रिमंडलीय समितियाँ दो प्रकार की होती हैं- स्थायी और तदर्थ।
  - स्थायी मंत्रिमंडलीय समितियाँ स्थायी प्रकृति की होती हैं जबकि तदर्थ मंत्रिमंडलीय समितियाँ अस्थायी प्रकृति की होती हैं, ये कुछ विशेष मुद्दों से निपटती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2019 में सरकार ने छह मंत्रिमंडलीय समितियों का पुनर्गठन किया है जबकि दो नई समितियों का गठन किया गया है।
  - मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति

- आवास पर मंत्रिमंडल समिति
- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति
- संसदीय मामलों की मंत्रिमंडल समिति
- राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति
- सुरक्षा पर मंत्रिमंडल समिति

○ दो नई समितियाँ हैं:

- निवेश और विकास पर मंत्रिमंडल समिति।
- रोज़गार और कौशल विकास पर मंत्रिमंडल समिति। **अतः कथन 2 सही है।**

- संसदीय मामलों और आवास पर मंत्रिमंडल समितियों की अध्यक्षता गृह मंत्री द्वारा और शेष छह समितियों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

68. 'मंत्रिपरिषद' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।
2. यह निकाय सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है।
3. मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही **नहीं** है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 75 कहता है कि प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा और प्रधानमंत्री के परामर्श से अन्य मंत्रियों को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा। मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बने रहते है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - सामूहिक रूप से मंत्रिपरिषदलोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। **अतः कथन 2 सही है।**
  - प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती। यह प्रावधान 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा जोड़ा गया था। **अतः कथन 3 सही है।**
  - संसद के किसी भी सदन के सदस्य को दल-बदल के आधार पर संसद की सदस्यता के लिये अयोग्य घोषित कर दिया जाए तो ऐसा सदस्य मंत्री पद के लिये भी अयोग्य होगा। यह प्रावधान भी 91वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

69. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत के राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का एक प्रकार 'लघुकरण' का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(a) दंडावधि को कम करना।

(b) दंड और बंदीकरण दोनों को हटाना।

(c) दंड के स्वरूप को बदलकर कम करना।

(d) दंड पर अस्थायी रोक।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

संविधान का अनुच्छेद-72 राष्ट्रपति को उन व्यक्तियों को क्षमा करने की शक्ति देता है, जो निम्नलिखित मामलों में किसी अपराध के लिये दोषी करार दिये गए हैं-

- संघीय विधि के विरुद्ध किसी अपराध में दिये गए दंड में
- सैन्य न्यायालय द्वारा दिये गए दंड में
- यदि दंड का स्वरूप मृत्युदंड हो

राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति में निम्नलिखित बातें सम्मिलित हैं:

- **परिहार (Remission):** इसका तात्पर्य है कि सज़ा की प्रकृति में परिवर्तन किये बिना किसी सज़ा की अवधि को कम करना।
  - ❑ उदाहरण के लिये, दो वर्ष के कठोर कारावास की सज़ा को एक वर्ष के कठोर कारावास में बदलना।
- **क्षमा (Pardon):** इसमें दंड और बंदीकरण दोनों को हटा दिया जाता है तथा अपराधी को सभी दंड, दंडादेशों और निरर्हताओं से पूर्णतः मुक्त कर दिया जाता है।
- **लघुकरण (Commutation):** इसका अर्थ है कि दंड के स्वरूप को बदलकर कम करना।
  - ❑ उदाहरण के लिये, मौत की सज़ा को कठोर कारावास में परिवर्तित करना, जिसे साधारण कारावास में परिवर्तित किया जा सकता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- **विराम (Respite):** इसका अर्थ है किसी दोषी को मूल रूप में दी गई सज़ा को किन्ही विशेष परिस्थितियों जैसे- शारीरिक अपंगता अथवा महिलाओं को गर्भावस्था की अवधि के कारण, कम करना।
- **प्रविलंबन (Reprieve):** इसका अर्थ है किसी दंड (विशेषकर मृत्यु दंड) पर अस्थायी रोक लगाना। इसका उद्देश्य है कि दोषी व्यक्ति को राष्ट्रपति से क्षमा याचना अथवा दंड के स्वरूप परिवर्तन की याचना के लिये समय देना।

70. 'मोटे अनाज' (Millets) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये सूखा ग्रस्त/वर्षा सिंचित क्षेत्रों में अच्छी तरह से वृद्धि करता हैं।
2. ये ग्लूटन सामग्री में समृद्ध होते हैं।
3. सीलियेक रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिये इसका सेवन लाभकारी होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 'मोटे अनाज' प्रमुख खाद्य पदार्थों में से एक हैं। ये **ग्रैमिनी परिवार (Gramineae Family)** से संबंधित छोटे बीजों वाली एवं कठोर पर्यावरणीय परिस्थितियों में उगने वाली फसलें होती हैं जिन्हें कम मृदा उर्वरता और नमी की परिस्थितियों वाले सूखा ग्रस्त/वर्षा सिंचित क्षेत्रों (Dry Zones/Rain-Fed Areas) में अच्छी तरह से उगाया जा सकता हैं।
  - ❑ मोटे अनाजों की कृषि आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना आदि राज्यों में की जाती हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- ग्लूटन सामान्यतः गेहूं, राई, जौ में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है। ग्लूटन भोजन के आकार को बनाए रखने में मदद करता है, जो गोंद के रूप में कार्य करता है और भोजन में पोषक तत्त्वों को एक साथ बनाए रखता है।

- ❑ विशेषज्ञों के अनुसार, मोटे अनाज लौह तत्त्व, मैंगनीज, कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और विटामिन बी से समृद्ध होते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट, फ्लेवोनोइड्स, कुछ एमिनो अम्ल और ट्रिप्टोफैन भी होते हैं।
- ❑ अधिकांश मोटे अनाज अत्यधिक **पौष्टिक, ग्लूटन-रहित, गैर-अम्लीय और आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थ है। अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- सीलिएक रोग को सीलिएक स्प्रू अथवा ग्लूटन-संवेदनशील आंत्रविकृति (**Gluten-Sensitive Enteropathy**) भी कहा जाता है। यह ग्लूटन का सेवन करने पर छोटी आंत की एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया होती है जो कि इसके स्व-प्रतिरक्षित रोग होने का संकेत भी है। यह प्रतिक्रिया छोटी आंत को नुकसान पहुँचाती है और कुछ पोषक तत्त्वों को अवशोषित होने से रोकती है।
  - ❑ लंबे समय तक मोटे अनाज का सेवन शर्करा (Glucose) के धीमे विमोचन में सहायता करता है। चूँकि इनका ग्लाइसेमिक सूचकांक (Glycaemic Index) कम होता है, इनके नियमित सेवन से मधुमेह का खतरा कम हो जाता है। यही कारण है कि सीलियेक रोग से पीड़ित व्यक्ति के आहार में 'मोटे अनाज' को शामिल किया जा सकता है। **अतः कथन 3 सही है।**

71. 'मंत्रिमंडल प्रणाली' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद-75 में मंत्रिमंडल शब्द का उल्लेख है।
    2. यह मंत्रिपरिषद का एक भाग है।
    3. 44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1978) द्वारा संविधान में 'संघ का मंत्रिमंडल' शब्द शामिल किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 352 में मंत्रिमंडल अर्थात् कैबिनेट को परिभाषित किया गया है कि यह प्रधानमंत्री और अनुच्छेद-75 के अंतर्गत नियुक्त अन्य मंत्रिमंडल स्तर के मंत्रियों से मिलकर निर्मित परिषद है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - **अनुच्छेद 75 प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद की नियुक्ति से संबंधित है।**
- संसदीय परंपरा के आधार पर मंत्रिमंडल संविधानेत्तर (Extra-Constitutional) निकाय है। यह केंद्र सरकार का सर्वोच्च नीति निर्धारक, निर्णय लेने वाला उच्चतम और उच्च कार्यकारी निकाय है।
  - यह एक लघु निकाय और मंत्रिपरिषद का केंद्र है। इसमें केवल कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं। यह मंत्रिपरिषद का एक भाग है। **अतः कथन 2 सही है।**
- संघ का मंत्रिमंडल (यूनियन कैबिनेट) शब्द वर्ष 1978 में 44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद-352 में शामिल गया था। **अतः कथन 3 सही है।**

72. अबोहर वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में अवस्थित है?

(a) मध्य प्रदेश
(b) राजस्थान

(c) उत्तर प्रदेश
(d) पंजाब

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **अबोहर वन्यजीव अभयारण्य (AWS) पंजाब के फाजिल्का ज़िले में स्थित** है, जो कई गाँवों की निजी भूमि में विस्तृत एक खुला अभयारण्य है।
- कृष्णमृग/काला हिरण को **वर्ष 1989 में पंजाब के राज्य पशु** के रूप में अधिसूचित किया गया था राज्य में इनकी उपस्थिति कृषि क्षेत्रों, परती भूमि, अर्द्ध-परती बंजर भूमि, विस्तृत रेत के टीलों आदि से युक्त अर्द्ध-शुष्क मैदानों में आवास की उपलब्धता के कारण AWS तक ही सीमित है।
- IUCN रेड लिस्ट में कृष्णमृग **'कम चिंतनीय' (Least Concern)** वाली प्रजातियों की सूची में शामिल है, लेकिन यह पिछले कुछ वर्षों से आवारा कुत्तों, काँटेदार तार और भूमि उपयोग में परिवर्तन, फसल चक्र में बदलाव की वजह से आवास विखंडन जैसे कारणों से संकट का सामना कर रहा है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

73. राष्ट्रीय खनिज नीति 2019 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह 'पहले अस्वीकार के अधिकार' की शुरुआत करती है।
2. इसमें अंतर-पीढ़ी समता की अवधारणा का उल्लेख है।
3. यह नीति तटीय जलमार्गों के उपयोग पर ज़ोर देती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: राष्ट्रीय खनिज नीति 2019 का उद्देश्य अधिक प्रभावी, सार्थक और कार्यान्वयन योग्य नीतियाँ तैयार करना है जो संधारणीय खनन अभ्यासों के साथ ही पारदर्शिता, बेहतर विनियमन और प्रवर्तन, संतुलित सामाजिक तथा आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देती है। यह राष्ट्रीय खनिज नीति 2008 को प्रतिस्थापित करती है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- RP/PL धारकों के लिये 'पहले अस्वीकार के अधिकार' की शुरुआत।
  - **पहले अस्वीकार का अधिकार:** यह एक संविदात्मक अधिकार है जिसके तहत एक विक्रेता द्वारा एक पक्षकार (जैसे एक साझेदार) को एक निर्दिष्ट समयसीमा के भीतर उन कीमतों पर प्रतियोगिता का अवसर दिया जाना चाहिये, जिस पर उन्ही शर्तों पर कोई तीसरा पक्ष एक निर्दिष्ट संपत्ति खरीदने के लिये सहमत होता है (जैसे कि शेयरों की एक निश्चित संख्या)। **अत: कथन 1 सही है।**
- निजी क्षेत्रों को अन्वेषण करने के लिये प्रोत्साहित करना।

- राजस्व-साझा के आधार पर समग्र अन्वेषण (Reconnaissance Permit)-सह-प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस (Prospecting License)-सह-खनन पट्टे (Mining Lease) के लिये नए क्षेत्रों की नीलामी।
- खनन कंपनियों के विलय और अधिग्रहण को प्रोत्साहित करना।
- निजी क्षेत्र के खनन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिये खनन पट्टों का हस्तांतरण और समर्पित खनिज गलियारों का निर्माण।
- राष्ट्रीय खनिज नीति 2019 में निजी क्षेत्रों में खनन हेतु वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिये और निजी क्षेत्रों द्वारा अन्य देशों में खनिज संपत्ति के अधिग्रहण के लिये खनन गतिविधियों को उद्योग का दर्जा देने का प्रस्ताव किया गया है।
- इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि खनिजों के लिये दीर्घकालिक आयात-निर्यात नीति से निजी क्षेत्र को व्यापार हेतु बेहतर योजना और व्यापार में स्थिरता लाने में मदद मिलेगी।
- नीति में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दिये गए आरक्षित क्षेत्रों जिनका उपयोग नहीं किया गया है, को युक्तिसंगत बनाने और इन क्षेत्रों को नीलामी हेतु रखे जाने का भी उल्लेख किया गया है, जिससे निजी क्षेत्र को भागीदारी के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।
- नीति में निजी क्षेत्र की सहायता करने के लिये वैश्विक मानदंड के साथ कर, लेवी और रॉयल्टी को युक्तिसंगत बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है।
- 2019 नीति **अंतर-पीढ़ी समता** (**Inter-Generational Equity**) की अवधारणा को भी प्रस्तुत करती है जो न केवल वर्तमान पीढ़ी के कल्याण के लिये कार्य करती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों हेतु तंत्र को संस्थागत बनाने के लिये एक अंतर-मंत्रालयी निकाय का गठन करने का भी प्रस्ताव करती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- नई नीति, खनिजों की निकासी और परिवहन के लिये तटीय जलमार्गों एवं अंतर्देशीय शिपिंग के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करती है। साथ ही खनिजों के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिये समर्पित खनिज गलियारों को प्रोत्साहन प्रदान करने का भी प्रस्ताव करती है। **अतः कथन 3 सही है।**

74. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'उन्नति (UNNATI)' कार्यक्रम संबंधित है
(a) अभिनव शिक्षण कार्यक्रम से
(b) कौशल विकास से
(c) नैनोसैटेलाइट विकास से
(d) एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने से

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा यूनिस्पेस नैनो उपग्रह समुच्चयन एवं प्रशिक्षण (**UNispace Nanosatellite Assembly & Training by ISRO**-UNNATI) कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।
- UNNATI नैनोसैटेलाइट विकास पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम विकासशील देशों के प्रतिभागियों को नैनोसैटेलाइट्स के संयोजन, एकीकरण और परीक्षण में उनकी क्षमताओं को मज़बूत करने के अवसर प्रदान करता है।
- यह अन्वेषण और बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर पहले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Conference on the Exploration and Peaceful Uses of Outer Space) की 50वीं वर्षगाँठ (UNISPACE+50) मनाने के लिये ISRO की एक पहल है।

- UNNATI कार्यक्रम को इसरो के यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर (U.R. Rao Satellite Centre-URSC) द्वारा 3 वर्षों तक 3 भागों में संचालित किये जाने की योजना है और इसका लक्ष्य 45 देशों के 90 अधिकारियों को लाभान्वित करना है।
- प्रशिक्षण में नैनोसैटेलाइट की परिभाषा, उपयोगिता, अंतरिक्ष मलबे पर उसके प्रभाव को नियंत्रित करने वाले कानून, डिज़ाइन ड्राइवर, विश्वसनीयता और गुणवत्ता आश्वासन तथा नैनोसैटेलाइट्स के संयोजन, एकीकरण और परीक्षण संबंधी सैद्धांतिक पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

75. अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (PISA) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह यूनेस्को द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण है।
2. यह 15 वर्षीय छात्रों के पढ़ने, गणित और विज्ञान की साक्षरता का आकलन करने के लिये बनाया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (Programme for International Students Assessment-PISA) आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) द्वारा समन्वित अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में शैक्षिक सांख्यिकी के लिये राष्ट्रीय केंद्र (NCES) द्वारा प्रति तीन वर्ष की अवधि पर आयोजित किया जाता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (PISA) का आयोजन पहली बार वर्ष 2000 में किया गया था। PISA सामग्री-आधारित मूल्यांकन के विपरीत एक सक्षमता-आधारित मूल्यांकन है, जो यह मापता है कि छात्र प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा द्वारा अर्जित ज्ञान का अनुप्रयोग करने में सक्षम हैं या नहीं जो कि आधुनिक समाज में पूर्ण भागीदारी के लिये आवश्यक है।
    - ❑ यह एक योग्यता-आधारित परीक्षण है, जो 15 वर्षीय उम्मीदवारों द्वारा वास्तविक जीवन में अपने ज्ञान का उपयोग करने की क्षमता का आकलन करने के लिये डिज़ाइन किया गया है। इसमें दुनिया भर की शैक्षिक प्रणाली की गुणवत्ता का आकलन विज्ञान, गणित और पठन संबंधी क्षेत्रों में छात्रों का मूल्यांकन करके किया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**

76. आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2017-18 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) द्वारा आयोजित किया गया था।
2. यह केवल शहरी क्षेत्रों दोनों के लिये श्रम बाजार संबंधी विभिन्न सांख्यिकीय संकेतकों के त्रैमासिक परिवर्तनों का मापन करता है।
3. दो-तिहाई से अधिक ग्रामीण महिलाएँ कृषि क्षेत्र में संलग्न हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) के माध्यम से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण शुरू किया गया है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- PLFS का उद्देश्य **शहरी क्षेत्रों में** श्रम बाजार के विभिन्न सांख्यिकीय संकेतकों के **तिमाही** बदलावों को मापने के साथ-साथ **ग्रामीण एवं शहरी** दोनों ही क्षेत्रों में श्रम बल संबंधी विभिन्न संकेतकों के **वार्षिक अनुमानों** को सृजित करना है। **अत: कथन 2 सही है।**
- PLFS आँकड़ों के अनुसार, 55% ग्रामीण पुरुष और 73.2% ग्रामीण महिलाएँ कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

77. निम्नलिखित में से कौन-सा/से मंत्रिमंडल सचिवालय का/के कार्य है/हैं?

1. मंत्रिमंडल की बैठकों के लिये कार्य-सूची तैयार करना।
2. मंत्रिमंडल समितियों के लिये सचिवालयी सहायता।
3. मंत्रालयों को वित्तीय संसाधनों का आवंटन।

नीचे दिये गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या :

- मंत्रिमंडल सचिवालय प्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है। सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है जो सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी होता है।
- भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 के अधीन कैबिनेट सचिवालय को आवंटित कार्य निम्नलिखित हैं:
    - **मंत्रिमंडल और मंत्रिमंडल समितियों को** सचिवालयी **सहायता**; मंत्रालयों/विभागों में कार्य संचालन को सुगम बनाना; **मंत्रिमंडल की बैठक के लिये एजेंडा (कार्य-सूची) तैयार करना**; अंतर-मंत्रालयी समन्वय सुनिश्चित करके सरकार की निर्णय लेने में सहायता करना, मंत्रालयों/विभागों के बीच मतभेदों को दूर करना और सर्वसम्मति बनाना। **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**
- मंत्रालयों को वित्तीय संसाधन आवंटित करना मंत्रिमंडल सचिवालय का कार्य नहीं है। यह कार्य वित्त मंत्रालय द्वारा बजट आवंटन के माध्यम से किया जाता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

78. निम्नलिखित में से कौन भारत के उपराष्ट्रपति पद पर रह चुके है?

1. मोहम्मद हिदायतुल्लाह
2. फखरुद्दीन अली अहमद
3. नीलम संजीव रेड्डी
4. शंकर दयाल शर्मा

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) 1, 2, 3 और 4
(b) केवल 1 और 4

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मोहम्मद हिदायतुल्ला 1968 से 1970 तक भारत के 11वें मुख्य न्यायाधीश रहे जो वर्ष 1979 से 1984 तक भारत के छठे उपराष्ट्रपति के रूप में पद पर रहे। उन्होंने 20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त, 1969 तक और 6 अक्तूबर 1982 से 31 अक्तूबर, 1982 तक भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी कार्य किया।
- फखरुद्दीन अली अहमद वर्ष 1974 से 1977 तक भारत के पाँचवें राष्ट्रपति रहे और जाकिर हुसैन के बाद भारत के ऐसे दूसरे राष्ट्रपति थे जिनका देहांत कार्यकाल की अवधि के दौरान हुआ। फखरुद्दीन अली अहमद ने उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य नहीं किया था।
- नीलम संजीव रेड्डी ने वर्ष 1977 से 1982 तक भारत के छठे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य नहीं किया।
- शंकर दयाल शर्मा वर्ष 1992 से 1997 तक भारत के नौवें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने से पहले वे भारत के आठवें उपराष्ट्रपति (1987-92) के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर चुके थे।

इसलिये, विकल्प (b) सही उत्तर है।

79. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. किसी राज्य के राज्यपाल के विरुद्ध उसकी पदावधि के दौरान किसी न्यायालय में कोई दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जायेगी।
2. किसी राज्य के राज्यपाल की परिलब्धियाँ और भत्ते उसकी पदावधि के दौरान कम नहीं किये जाएंगे

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या :

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद-361 भारत के राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपाल के लिये कुछ उन्मुक्तियों का प्रावधान करता है:
- राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के विरुद्ध उसके कार्यकाल के दौरान किसी न्यायालय में किसी भी प्रकार की दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी या चालू नहीं रखी जाएगी। **अत: कथन 1 सही है।**
- राष्ट्रपति या राज्य के राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसकी गिरफ्तारी या कारावास के लिये किसी न्यायालय से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा।
- राष्ट्रपति तथा राज्यपाल पर उनके कार्यकाल के दौरान व्यक्तिगत सामर्थ्य से किये गए किसी कार्य के लिये किसी भी न्यायालय में सिविल अर्थात् दीवानी मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। यदि ऐसी कोई सिविल कार्यवाही की जाती है तो ऐसा उनको दो माह पूर्व सूचना देने के बाद ही किया जा सकता है।
- अनुच्छेद 158 में कहा गया है कि राज्यपाल के पद और भत्ते उसके कार्यकाल के दौरान कम नहीं होंगे। **अत: कथन 2 सही है।**

80. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(a) भारत में एक ही व्यक्ति को एक ही समय में दो या अधिक राज्यों में राज्यपाल नियुक्त नहीं किया जा सकता है।
(b) भारत में राज्यों के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश राज्य के राज्यपाल द्वारा नियुक्त किये जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं।
(c) भारत के संविधान में राज्यपाल को उसके पद से हटाने हेतु कोई भी प्रक्रिया निर्धारित नहीं की गई है।
(d) विधायी व्यवस्था वाले केंद्रशासित प्रदेश में मुख्यमंत्री की नियुक्ति उप-राज्यपाल द्वारा बहुमत के आधार पर की जाती है।

उत्तर : (c)

व्याख्या :

- मूल संविधान में अनुच्छेद-153 में यह उल्लिखित था कि प्रत्येक राज्य के लिये एक राज्यपाल होगा। किंतु सातवें संविधान संशोधन (1956) द्वारा इसमें एक परंतुक जोड़ दिया गया जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिये भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है। **अतः कथन (a) सही नहीं है।**
- अनुच्छेद 217 के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति भी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। **अतः कथन (b) सही नहीं है।**
- **भारत के संविधान में राज्यपाल को उसके पद से हटाने हेतु किसी भी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं किया गया है। अतः कथन (c) सही है।**
- अनुच्छेद 239 के तहत विधायी व्यवस्था वाले संघराज्य क्षेत्रों में मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, उप-राज्यपाल द्वारा नहीं। **अतः कथन (d) सही नहीं है।**

81. राज्य विधान परिषद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विधान परिषद का आकार संसद द्वारा निर्धारित किया जाता है।
2. विधान परिषद के 1/12 सदस्य राज्यपाल द्वारा नामित किये जाते हैं।
3. सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के आधार पर एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा गुप्त मतदान से किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- संसद किसी राज्य में विधान परिषद बना सकती है जहाँ उसका अस्तित्व नहीं है, यदि राज्य की विधानसभा ने अपनी कुल सदस्यता के बहुमत तथा उपस्थित और मत देने वालों सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से इस आशय का संकल्प पारित कर संसद को प्रस्ताव भेजा है।
    - ❑ संविधान में परिषद के सदस्यों की अधिकतम संख्या विधानसभा की एक-तिहाई और न्यूनतम 40 निश्चित है। लेकिन परिषद की वास्तविक संख्या संसद द्वारा निर्धारित की जाती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- एक विधान परिषद के कुल सदस्यों में से:
    - ❑ 1/3 सदस्य स्थानीय निकायों, जैसे- नगरपालिका, ज़िला बोर्ड आदि द्वारा चुने जाते हैं।
    - ❑ 1/3 सदस्यों का चुनाव विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता हैं।
    - ❑ 1/12 सदस्यों को राज्य में रह रहे 3 वर्ष से स्नातक निर्वाचित करते हैं।

- ❑ 1/12 सदस्यों का निर्वाचन 3 वर्ष से अध्यापन कर रहे लोग करते हैं लेकिन ये अध्यापक माध्यमिक स्तर से कम के नहीं होने चाहिये।
- ❑ 1/6 सदस्यों को राज्यपाल द्वारा नामित किया जाता है जो साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारिता आंदोलन और समाज सेवा का विशेष ज्ञान व व्यावहारिक अनुभव रखते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- सदस्यों को एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुना जाता है। **इस प्रक्रिया में गुप्त मतदान शामिल नहीं होता है। अतः कथन 3 सही नहीं है।**

82. राज्य विधानसभा में एक विधेयक पारित होने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विधानसभा विधान परिषद की अवहेलना नहीं कर सकती है।
2. राज्यों में द्विसदनीय विधायिका के मामले में गतिरोध के समाधान हेतु संविधान दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- जब कोई विधेयक विधानसभा द्वारा पारित करके विधान परिषद के पास भेजा जाता है, तो इसके पास चार विकल्प होते हैं-
  - ❑ यह विधानसभा द्वारा भेजे गए विधेयक को उसी रूप में (बिना संशोधनों के) पारित कर सकती है।
  - ❑ यह कुछ संशोधन के बाद विधेयक को पारित कर सकती है और इसे पुनर्विचार के लिये विधानसभा को वापस भेज सकती है।
  - ❑ यह विधेयक को पूरी तरह से अस्वीकार कर सकती है।
  - ❑ विधेयक पर कोई कार्यवाही नहीं की जाए और इसे लंबित रखा जाए।
- यदि परिषद बिना संशोधनों के विधेयक को पारित करती है या विधानसभा परिषद द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को स्वीकार करती है, तो विधेयक को दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाता है और इसे राज्यपाल की सहमति के लिये भेज दिया जाता है।
- यदि विधानसभा परिषद द्वारा सुझाए गए संशोधनों को अस्वीकार कर देती है या परिषद ही विधेयक को अस्वीकृत कर दे या परिषद तीन महीने तक कोई कार्यवाही न करें, तो विधानसभा विधेयक को पुनः पारित कर परिषद के पास भेज सकती है।
- यदि परिषद विधेयक को फिर से अस्वीकार कर दे या उन संशोधनों के साथ पारित कर दे जो विधानसभा को स्वीकार्य नहीं हो या एक महीने के भीतर विधेयक को पारित करे, तब विधेयक को उसी रूप में दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाता है, जिस रूप में यह दूसरी बार विधानसभा द्वारा पारित किया गया था।
- संविधान में किसी विधेयक पर असहमति होने के मामले में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान नहीं रखा गया है। इसलिये, किसी साधारण विधेयक को पारित करने की अंतिम शक्ति विधानसभा में निहित है। **अतः कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं।**

83. निम्नलिखित में से कौन-से प्रस्ताव केवल लोकसभा में पेश किये जा सकते हैं?

1. अविश्वास प्रस्ताव
2. विशेषाधिकार प्रस्ताव
3. स्थगन प्रस्ताव
4. निंदा प्रस्ताव

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **अविश्वास प्रस्ताव:** संसदीय प्रणाली में अविश्वास प्रस्ताव का निहितार्थ है कि सरकार अब पद पर बने रहने के लिये उपयुक्त नहीं है।
  - ❑ प्रक्रियाओं के अनुसार, एक अविश्वास प्रस्ताव केवल लोकसभा (या राज्य विधानसभा) में ही लाया जा सकता है। इसे राज्यसभा (या विधान परिषद) में नहीं लाया जा सकता है। लोकसभा में कार्य संचालन एवं आचरण नियमों के तहत नियम-198 के अनुसार, सदन का कोई भी सदस्य अविश्वास प्रस्ताव पेश कर सकता है।
  - ❑ इसे पूरे मंत्रिपरिषद के विरूद्ध लाया जाता है न कि व्यक्तिगत रूप से किसी मंत्री या निजी सदस्य के विरूद्ध।
- **विशेषाधिकार प्रस्ताव:** यह किसी मंत्री द्वारा संसदीय विशेषाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित है।
  - ❑ किसी सदस्य द्वारा इसे तब पेश किया जाता है जब उसे लगता है कि किसी मंत्री ने गलत तथ्य या सूचना देकर सदन या सदन के एक या एक से अधिक सदस्यों के विशेषाधिकार का उल्लंघन किया है।
  - ❑ इसका उद्देश्य संबंधित मंत्री की निंदा करना है।
  - ❑ संविधान के अनुच्छेद 105 में दो विशेषाधिकारों का उल्लेख किया गया है- संसद में भाषण देने की स्वतंत्रता और इसकी कार्यवाही के प्रकाशन का अधिकार।
  - ❑ लोकसभा नियमावली के अध्याय 20 में नियम संख्या 222 तथा राज्यसभा नियमावली के अध्याय 16 में नियम 187 विशेषाधिकार को नियंत्रित करते हैं।
  - ❑ **कोई भी सदस्य, अध्यक्ष की अनुमति से किसी सदस्य या सदन या इसकी समिति के विशेषाधिकार के हनन से संबंधित प्रश्न उठा सकता है।**
- **स्थगन प्रस्ताव:** स्थगन प्रस्ताव एक असाधारण प्रक्रिया है जो किसी गंभीर और महत्त्वपूर्ण समस्या पर चर्चा के लिये सदन में लाया जाता है। इस पर चर्चा करने के लिये सदन की समस्त नियमित कार्यवाही रोक दी जाती है यानी स्थगित कर दी जाती है।
  - ❑ सदन में नियमित कार्यवाही के स्थगन का प्रस्ताव लाने का अधिकार निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन है-
    - ➔ इसके माध्यम से ऐसे मुद्दों को उठाया जा सकता है जो कि निश्चित, तथ्यात्मक, अत्यंत ज़रूरी और लोक महत्त्व के हों।
    - ➔ इसमें एक से अधिक मामलों को शामिल नहीं किया जाना चाहिये।
    - ➔ इसके माध्यम से वर्तमान घटनाओं के किसी विशिष्ट विषय को ही उठाया जा सकता है न कि साधारण महत्त्व के विषय को।

- ➔ इसके माध्यम से विशेषाधिकार के प्रश्न को नहीं उठाया जा सकता है।
- ➔ इसके माध्यम से ऐसे किसी विषय पर चर्चा नहीं की जा सकती जिस पर उसी सत्र में चर्चा हो चुकी है।
- ➔ इसके द्वारा न्यायालय में विचाराधीन मामले को नहीं उठाया जा सकता।
- ➔ इसे किसी भी अलग प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए विषयों को पुन: उठाने की अनुमति नहीं होती है।

❑ चूँकि इसमें सरकार की निंदा का एक तत्त्व भी शामिल है, इसलिये राज्यसभा को इस प्रकार के प्रस्ताव का उपयोग करने की अनुमति नहीं है।

❑

- **निंदा प्रस्ताव:** निंदा तीव्र असहमति अथवा कठोर आलोचना की अभिव्यक्ति को दर्शाता है। लोकसभा में इसे स्वीकार करने के कारण बताना अनिवार्य है। यह किसी एक मंत्री या मंत्रियों के समूह या पूरे मंत्रिपरिषद के विरुद्ध लाया जा सकता है।
  - ❑ यह मंत्रिपरिषद की कुछ नीतियों या कार्यों के खिलाफ निंदा के लिये लाया जाता है।
  - ❑ यदि यह लोकसभा में पारित हो जाए तो मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना आवश्यक नहीं है। एक निंदा प्रस्ताव लोकसभा या राज्य विधान सभा में लाया जा सकता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

84. 'संसद में विपक्ष का नेता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संसद में विपक्ष के नेता का पद एक वैधानिक पद है।
2. संविधान में इस पद का उल्लेख किया गया है।
3. इसे कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1
(c) केवल 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- विपक्ष के नेता का मुख्य कार्य सरकार की नीतियों की रचनात्मक आलोचना करना और एक वैकल्पिक सरकार प्रदान करना है।
  - **संसद में विपक्ष के नेता का वेतन और भत्ता अधिनियम, 1977** में इस पद को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यह सरकार के विपक्ष में संख्यात्मक रूप से सबसे बड़े दल का नेता होता है जिसे स्पीकर/अध्यक्ष द्वारा मान्यता प्राप्त है।
  - भारतीय संसद के सदनों में विपक्ष का नेता एक वैधानिक पद होता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, विपक्ष के नेता को जी.वी. मावलंकर द्वारा निर्धारित 10% नियम के अनुसार नियुक्त किया जाता है।
  - ❑ मावलंकर नियम के अनुसार, सदन की कुल सीटों के कम-से-कम 1/10 सीटों वाले सबसे सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को उस सदन में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी जाती है।
- भारत के संविधान में विपक्ष का नेता पद का उल्लेख नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- **संसद में विपक्ष के नेता का वेतन और भत्ता अधिनियम, 1977** के अनुसार, उसे कैबिनेट मंत्री के समान वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। लेकिन उसे कैबिनेट मंत्री का दर्ज़ा नहीं दिया जाता। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

85. लोकसभा और राज्यसभा की शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. किसी भी सामान्य कानून को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित करना आवश्यक है।
2. धन विधेयक के मामले में लोकसभा के पास अधिक शक्तियाँ होती है।
3. 'अविश्वास प्रस्ताव' राज्यसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: भारतीय संविधान राज्यसभा को राज्यों पर कुछ विशेष अधिकार देता है। लेकिन, अधिकतर मामलों में लोकसभा सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करती है।

- किसी भी सामान्य कानून को दोनों सदनों द्वारा पारित करने की आवश्यकता होती है। लेकिन अगर दोनों सदनों के बीच मतभेद है, तो अंतिम निर्णय एक संयुक्त सत्र में लिया जाता है जिसमें दोनों सदनों के सदस्य एक साथ बैठते हैं। सदस्यों की अधिक संख्या होने के कारण इस तरह की बैठक में लोकसभा की शक्ति अधिक होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- धन विधेयक के मामले में लोकसभा के पास अधिक शक्तियाँ होती है। लोकसभा द्वारा सरकार के बजट या किसी अन्य धन संबंधी कानून को पारित करने के बाद, राज्यसभा इसे अस्वीकार नहीं कर सकती। राज्यसभा ऐसे विधेयक को सिर्फ 14 दिन तक रोक सकती है या इसमें संशोधन का सुझाव दे सकती है जिन्हें लोकसभा स्वीकार कर भी सकती है और नहीं भी। **अतः कथन 2 सही है।**
- लोकसभा मंत्रिपरिषद को नियंत्रित करती है। केवल वही व्यक्ति प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जाता है जिसे लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है।
- यदि लोकसभा के अधिकांश सदस्य ऐसा प्रस्ताव करते हैं कि उन्हें मंत्रिपरिषद में कोई विश्वास नहीं है, तो प्रधानमंत्री सहित सभी मंत्रियों को पद छोड़ना होगा। यह शक्ति राज्यसभा के पास नहीं है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

86. निम्नलिखित में से कौन-से भारतीय संसद के कार्य है?

1. न्यायिक कार्य
2. वित्तीय कार्य
3. प्रतिनिधित्व कार्य
4. सांविधिक कार्य

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

उत्तर:

- संसद की भूमिका को निम्नलिखित शीर्षकों से देखा जा सकता है:

- **विधायी कार्य:** संसद देश के लिये विधि-निर्माण करती है। मुख्य विधि-निर्मात्री संस्था होने के बावजूद संसद प्रायः सिर्फ विधानों को मंज़ूरी देती है। विधेयक को प्रारूपित करने का वास्तविक कार्य नौकरशाही द्वारा संबंधित मंत्री की देख-रेख में किया जाता है।
- **कार्यपालिका पर नियंत्रण और इसकी जवाबदेही सुनिश्चित करना:** संसद का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यपालिका अपने प्राधिकार का अतिक्रमण न करे और जिन लोगों द्वारा वह चुने गए हैं, उनके प्रति उत्तरदायी रहें।
- **वित्तीय कार्य:** संसद की वित्तीय शक्तियों में सरकार को उसके कार्यक्रमों को लागू करने के लिये संसाधनों का अनुदान शामिल है। सरकार को उसके द्वारा खर्च किये गए धन और संसाधनों की उगाही के बारे में विधायिका को एक विवरण देना होगा। विधायिका यह भी सुनिश्चित करती है कि सरकार अपव्यय या अतिव्यय न करे। यह बजट और वार्षिक वित्तीय विवरणों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है।
- **प्रतिनिधित्व:** संसद देश के विभिन्न भागों से विभिन्न क्षेत्रीय, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक समूहों के सदस्यों के विविध विचारों का प्रतिनिधित्व करती है।
- **विचार-विमर्श का कार्य:** संसद देश में बहस और **विचार-विमर्श** हेतु सर्वोच्च मंच है। सदस्य बिना किसी भय के किसी भी मुद्दे पर बोलने के लिये स्वतंत्र हैं।
- **सांविधिक कार्य:** संसद में संविधान में संशोधनों पर चर्चा और अधिनियमित करने की शक्ति है। दोनों सदनों की **सांविधिक** शक्तियाँ समान हैं। सभी संवैधानिक संशोधनों को दोनों सदनों के विशेष बहुमत से अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।
- **निर्वाचन कार्य:** संसद कुछ निर्वाचन संबंधी कार्य भी करती है। यह भारत के राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति का चुनाव करती है।
- **न्यायिक कार्य:** संसद के न्यायिक कार्यों में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने के प्रस्तावों पर विचार करना शामिल है।

अतः विकल्प (d) सही है।

87. राज्यसभा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल संविधान द्वारा निर्धारित किया गया है।
2. राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के आधार पर एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा किया जाता है।
3. प्रत्येक राज्य से सदस्य का चुनाव संविधान की चौथी अनुसूची द्वारा निर्धारित होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान ने राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल निर्धारित नहीं किया है और इसे संसद पर छोड़ दिया है। तद्नुसार, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) में संसद ने प्रावधान किया है कि राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष का होगा।

  अतः कथन 1 सही नहीं है।

- यह अधिनियम भारत के राष्ट्रपति को पहली राज्यसभा में चुने गए सदस्यों के कार्यकाल को कम करने का भी अधिकार देता है। इसके अलावा अधिनियम राष्ट्रपति को राज्यसभा के सदस्यों की सेवानिवृत्ति के आदेश को शासित करने वाले उपबंध बनाने का भी अधिकार देता है।

- राज्यसभा में राज्यों के प्रतिनिधि राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं। इन सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के आधार पर किया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- प्रत्येक राज्य से चुने जाने वाले सदस्यों की संख्या संविधान की चौथी अनुसूची द्वारा तय की गई है। **अतः कथन 3 सही है।**

88.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. परिसीमन का उद्देश्य जनसंख्या के समान भागों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान करना है।
2. अनुच्छेद 82 प्रत्येक जनगणना के बाद संसद को एक परिसीमन अधिनियम बनाने की शक्ति देता है।
3. 84वें संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा में सीटों के आवंटन को वर्ष 2026 तक जनगणना-2001 के आधार पर स्थिर कर दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- लोकसभा के लिये प्रत्यक्ष निर्वाचन कराने के लिये सभी राज्यों को प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। संविधान यह सुनिश्चित करता है कि दो तरह से प्रतिनिधित्व की एकरूपता हो:
  - विभिन्न राज्यों के बीच, और
  - उस राज्य में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के बीच।
- परिसीमन जनसंख्या में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करने हेतु किसी देश में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा तय करने की प्रक्रिया है।
- परिसीमन का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या के समान भागों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान करना है।
  - भौगोलिक क्षेत्रों का उचित विभाजन करना ताकि चुनाव में किसी राजनीतिक दल को अन्य दलों की तुलना में अनुपयुक्त लाभ की स्थिति प्राप्त न हो।
  - "एक मत, एक मूल्य" के सिद्धांत का पालन करना। **अतः कथन 1 सही है।**
- अनुच्छेद 82 के अंतर्गत, संसद प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन अधिनियम लागू करती है। अधिनियम लागू होने के बाद, केंद्र सरकार एक परिसीमन आयोग का गठन करती है। वर्ष 1950-51 में राष्ट्रपति द्वारा (चुनाव आयोग की सहायता से) पहला परिसीमन कार्य किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
  - 1952 में परिसीमन आयोग अधिनियम लागू किया गया था। परिसीमन आयोग की स्थापना चार बार वर्ष 1952, 1963, 1973 और 2002 में की गई है। वर्ष 1981 और 1991 की जनगणना के बाद कोई परिसीमन कार्य नहीं हुआ।
- अनुच्छेद 170 के तहत, प्रत्येक जनगणना के बाद राज्यों को भी परिसीमन अधिनियम के अनुसार प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है।
- 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 में लोकसभा में राज्यों की सीटों का आवंटन तथा प्रत्येक राज्य के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन को वर्ष 1971 की जनगणना के आधार पर वर्ष 2000 तक के लिये स्थिर कर दिया गया था।

- बाद में 84वें संशोधन अधिनियम, 2001 द्वारा वर्ष **1971 की जनगणना के आधार पर** किये गए सीटों के निर्धारण को अगले 25 वर्षों (यानी वर्ष 2026 तक) के लिये बढ़ा दिया गया। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

89. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जनसांख्यिकी लाभांश अधिक लोगों के उत्पादक होने और अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान करने की क्षमता को दर्शाता है।
2. जनसांख्यिकीय लाभांश के दोहन के लिये मज़बूत सामाजिक बुनियादी ढाँचा महत्त्वपूर्ण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जब कुल जनसंख्या में कार्यशील आयु के लोगों का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक होता है तो इसे जनसांख्यिकीय लाभांश कहा जाता है क्योंकि अधिक लोगों के उत्पादक होने से आर्थिक संवृद्धि में उनके अधिक योगदान की स्थिति बनती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है, इसकी लगभग आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु वर्ग की है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में जनसांख्यिकी लाभांश की स्थिति पाँच दशकों 2005-06 से 2055-56 तक रहेगी, जो विश्व के किसी भी देश से अधिक है।
- इस जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन तभी किया जा सकता है जब युवा आबादी को शिक्षा, कौशल और रोज़गार के अवसर प्रदान किये जाएं। इन सुअवसरों का लाभ उठाने के लिये मज़बूत सामाजिक बुनियादी ढाँचा भी महत्वपूर्ण है। इसके लिये सरकार शिक्षा और कौशल क्षमता की दिशा में प्राप्त होने वाले परिणामों में सुधार लाने और सभी को रोज़गार एवं वहनीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिये प्रयासरत है। **अतः कथन 2 सही है।**

90. 'क्षमता की कमी' (Capability Deprivation) पद का प्रयोग प्रायः निम्नलिखित में से किस संदर्भ में किया जाता है?

(a) खाद्य उत्पादन के मापन में
(b) आर्थिक विकास की रणनीति में
(c) गरीबी के अनुमान में
(d) जनसंख्या वृद्धि में

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- क्षमता दृष्टिकोण (**Capability Approach**) का विचार पहली बार 1980 के दशक में भारतीय अर्थशास्त्री और दार्शनिक अमर्त्य सेन द्वारा प्रस्तुत किया गया था। यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा मानव विकास के संदर्भ में प्रति व्यक्ति जीडीपी जैसे संकीर्ण आर्थिक संकेतक के व्यापक विकल्प के रूप में बड़े पैमाने पर प्रयुक्त किया जा रहा है। यहाँ 'गरीबी' को एक अच्छा जीवन जीने की क्षमता में कमी के रूप में समझा जाता है और 'विकास' को क्षमताओं के विस्तार के रूप में देखा जाता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

91. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	लक्ष्य	**उद्देश्य**
1.	सतत् विकास लक्ष्य 1	शून्य निर्धनता

2. सतत् विकास लक्ष्य 4 शून्य भूखमरी
3. सतत् विकास लक्ष्य 5 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
4. सतत् विकास लक्ष्य 6 स्वच्छ जल और स्वच्छता

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 4
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सितंबर 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सतत् विकास के लिये एजेंडा-2030 को अपनाया जिसमें 17 सतत् विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals-SDG) शामिल हैं। "किसी को पीछे नहीं छोड़ना" (Leaving No One Behind) के सिद्धांत पर आधारित यह नया एजेंडा सभी के लिये सतत् विकास को प्राप्त करने के लिये एक समग्र दृष्टिकोण पर ज़ोर देता है।
- **सतत् विकास लक्ष्यों की सूची-**
  - लक्ष्य 1: शून्य निर्धनता। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
  - लक्ष्य 2: शून्य भूखमरी।
  - लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण।
  - लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। **अतः युग्म 3 सुमेलित नहीं है।**
  - लक्ष्य 5: लैंगिक समानता। **अतः युग्म 2 सुमेलित नहीं है।**
  - लक्ष्य 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता। **अतः युग्म 4 सही सुमेलित है।**
  - लक्ष्य 7: वहनीय और स्वच्छ ऊर्जा।
  - लक्ष्य 8: उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक संवृद्धि।
  - लक्ष्य 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा।
  - लक्ष्य 10: असमानता में कमी।
  - लक्ष्य 11: संधारणीय शहर और समुदाय।
  - लक्ष्य 12: संवहनीय उपभोग और उत्पादन।
  - लक्ष्य 13: जलवायु कार्रवाई।
  - लक्ष्य 14: जलीय जीवों की सुरक्षा।
  - लक्ष्य 15: थलीय जीवों की सुरक्षा।
  - लक्ष्य 16: शांति, न्याय और सशक्त संस्थाएँ।
  - लक्ष्य 17: लक्ष्य प्राप्ति हेतु साझेदारी।

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वैधानिक शहर का तात्पर्य ऐसे स्थान से है जहाँ कार्यशील पुरुष आबादी का कम-से-कम 75% भाग गैर-कृषि क्षेत्रक कार्यों में संलग्न हो।

2. जनगणना शहरों का वैधानिक शहर में संपरिवर्तन उन्हें 14वें वित्त आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार केंद्रीय सहायता के लिये पात्र बनाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत की वर्ष 2011 की जनगणना दो प्रकार के शहरों को परिभाषित करती है-वैधानिक शहर और जनगणना शहर।
- वैधानिक शहर को नगरपालिका, निगम, छावनी बोर्ड आदि से युक्त स्थानों के रूप में परिभाषित किया गया है।
- **जनगणना शहर एक ऐसा शहर है** जिसे वैधानिक रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है लेकिन एक शहर के रूप में प्रशासित किया जाता है और इसकी आबादी निम्नलिखित शहरी विशेषताओं को प्राप्त कर चुकी होती है:
    - जनसंख्या 5,000 से अधिक हो।
    - ❖ **कार्यशील पुरुष आबादी** का कम-से-कम **75% भाग गैर-कृषि क्षेत्रक कार्यों** में संलग्न हो। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- जनगणना शहरों को वैधानिक शहर (शहरी स्थानीय निकाय) में परिवर्तित करने पर उन्हें 14वें वित्त आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार केंद्रीय सहायता मिलती है। कायाकल्प एवं शहरी रूपांतरण के लिये अटल मिशन (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation- AMRUT) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच धन के आवंटन में किसी भी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में वैधानिक शहरों की संख्या को 50% भारांश दिया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**

93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फॉर्मेलिन का उपयोग ताज़ा या शीतित मछली के शेल्फ-लाइफ को बढ़ाने के लिये किया जाता है।
2. फॉर्मेलिन प्रकृति में गैर-कैंसरकारी है।
3. फॉर्मेल्डिहाइड कई जानवरों और पौधों की प्रजातियों में उनके सामान्य उपापचय के उत्पाद के रूप में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मछली पर किसी भी रूप में फॉर्मेलिन के उपयोग का अंतर्निहित उद्देश्य निम्नलिखित है-
    - ताज़ा या शीतित मछली की भंडारण अवधि अथवा शेल्फ-लाइफ का विस्तार करना।
    - कृत्रिम रूप से संवेदी विशेषताओं जैसे रंग-रूप को सुधारना है ताकि इसे ताज़ी मछली की तरह दिखाया जा सके।

    अतः कथन 1 सही है।

- WHO की अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान संस्था (IARC) फॉर्मेल्डिहाइड को "मनुष्यों के लिये कैंसरकारी" के रूप में वर्गीकृत करती है, जिसमें व्यावसायिक जोखिमों से प्रभावित लोगों में नासोफेरींजल (नाक-ग्रसनी) कैंसर होने के पर्याप्त साक्ष्य है, हालाँकि अंतर्ग्रहण के माध्यम से कैंसरकारिता को अभी तक स्थापित नहीं किया गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- फॉर्मेल्डिहाइड कई जानवरों और पौधों की प्रजातियों में उनके सामान्य उपापचय (Metabolism) के उत्पाद के रूप में पाया जाता है। कई सामान्य खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से फॉर्मेल्डिहाइड की उपस्थिति के भी प्रमाण मिलते है, जिनमें फल और सब्ज़ियाँ, माँस, मछली, क्रस्टेशियंस तथा मशरूम आदि शामिल है।
    - अधिकांश समुद्री मछलियों में फॉर्मेल्डिहाइड ट्राइमेथिलैमाइन ऑक्साइड (TMAO) नामक रसायन का एक प्राकृतिक व्युत्पन्न है जो उनके शरीर में पाया जाता है। मत्स्य एकत्रण के बाद TMAO, फॉर्मेल्डिहाइड और डाइमेथिलैमाइन के बराबर भागों में विखंडित हो जाता है। फ्रोज़न भंडारण के दौरान भी यह कुछ समुद्री मछलियों और क्रस्टेशियंस में संचित हो सकता है। **अतः कथन 3 सही है।**

94. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ट्रांस-वसा निम्न-घनत्व लिपोप्रोटीन (LDL) के स्तर को कम करती है और उच्च-घनत्व लिपोप्रोटीन (HDL) के स्तर को बढ़ाती है।
2. ट्रांस-वसा का उपयोग प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के स्वाद, बनावट और शेल्फ-लाइफ को बढ़ाने के लिये किया जाता है।
3. FSSAI खाद्य उत्पादों में ट्रांस-वसा अम्ल की 2% मात्रा की अनुमति देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ट्रांस-वसा निम्न-घनत्व लिपोप्रोटीन (Low-Density Lipoproteins-LDL), ट्राइग्लिसराइड्स और इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है और लाभकारी उच्च-घनत्व लिपोप्रोटीन (High-Density Lipoproteins-HDL) के स्तर को कम करता है। समग्र रूप से ट्रांस वसा अम्ल (Trans Fatty Acids-TFA) स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- खाद्य पदार्थों में दो प्रकार की ट्रांस वसाएँ पाई जाती हैं:
    - ❑ **प्राकृतिक ट्रांस वसा:** कुछ जानवरों की आंत में और इन जानवरों से बने खाद्य पदार्थों (जैसे-दूध और माँस उत्पादों) में इन वसाओं की कुछ मात्रा हो सकती है।
    - ❑ **कृत्रिम ट्रांस वसा:** ट्रांस वसा अम्लों को तेल के हाइड्रोजनीकरण के माध्यम से बनाया जाता है जो उन्हें ठोस बनाता है। ये तेलों और खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ को बढ़ाने और उनके स्वाद को स्थिर करने में सहायता करते हैं। ट्रांस वसा कुछ खाद्य उत्पादों जैसे कृत्रिम मक्खन, बिस्कुट, स्नैक और फ्रेंच फ्राइज़ आदि में भी पाई जा सकती है।
- ट्रांस वसा का उपयोग करना आसान है, इनका उत्पादन सस्ता है और ये दीर्घकाल तक उपभोग्य रहते है। ट्रांस वसा खाद्य पदार्थों को एक वांछित स्वाद और बनावट देते हैं। वे तेलों और खाद्य पदार्थों की शेल्फ-लाइफ और स्वाद को बढ़ाने तथा स्थिर करने में मदद करते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का REPLACE एक्शन पैकेज वर्ष 2023 तक वैश्विक उन्मूलन के लक्ष्य के साथ, राष्ट्रीय खाद्य आपूर्ति से औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा को खत्म करने हेतु एक रणनीतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

- वर्ष 2015 में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने वनस्पति तेलों में ट्रांस वसा का सूतर 10% से घटाकर **5% निर्धारित किया था।** इसने यह भी कहा था कि ट्रांस वसा के स्तर का लेबलिंग द्वारा प्रकटीकरण अनिवार्य है ताकि इसका कम मात्रा में ग्रहण हो। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
    - ❑ FSSAI ने **वर्ष 2022 तक** भारत को ट्रांस-वसा मुक्त बनाने के लिये वनस्पति तेल, वनस्पति वसा और हाइड्रोजनीकृत वनस्पति तेल में ट्रांस वसा की अधिकतम मात्रा को **2% तक सीमित करने का प्रस्ताव** दिया है।

95. भारत में 'सामरिक पेट्रोलियम भंडार' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह केवल सैन्य उपयोग के लिये एक आपातकालिक तेल भण्डारण व्यवस्था है।
2. इनका प्रबंधन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन विशेष प्रयोजन वाहन द्वारा किया जाता है।
3. भारत विश्व में तीसरा सबसे बड़ा सामरिक पेट्रोलियम भंडारण वाला देश है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भारत सरकार ने विशाखापत्तनम, मैंगलोर और केरल में पदूर (उडुपी के निकट) तीन स्थानों पर 5 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कच्चे तेल के सामरिक पेट्रोलियम भंडार स्थापित किये है। ये सामरिक भंडारण तेल कंपनियों के पास खनिज तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के विद्यमान भंडारणों के अतिरिक्त होंगे और आपूर्ति बाधाओं के प्रतिउत्तर में एक ढाल के रूप में कार्य करेंगे। इनका उपयोग केवल सैन्य प्रयोजन हेतु आरक्षित नहीं है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सामरिक खनिज तेल भंडारण सुविधाओं के निर्माण का प्रबंधन एक विशेष प्रयोजन कंपनी इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्वस लिमिटेड (ISPRL) द्वारा किया जा रहा है, जो तेल उद्योग विकास बोर्ड (OIDB) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है जो कि पेट्रोलियम एवं नैचुरल गैस मंत्रालय के अधीन है। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत सरकार द्वितीय चरण में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से चंदीखोल (ओडिशा) और उडुपी (कर्नाटक) में दो अतिरिक्त सुविधाएँ स्थापित करने की योजना बना रही है। यह 6.5 मिलियन टन की अतिरिक्त तेल भंडारण क्षमता की स्थापना में सहायक होगी।
- भारतीय रिफाइनर्स 65 दिनों तक की आपूर्ति के लिये कच्चे तेल के भंडारण (औद्योगिक स्टॉक) बनाए हुए हैं। इस प्रकार ISPR द्वारा द्वितीय चरण के पूरा होने के बाद भारत में कुल 87 दिनों तक (ISPL द्वारा 22+भारतीय रिफाइनर्स द्वारा 65) तेल की खपत को पूरा करने हेतु भंडार उपलब्ध होंगे। यह IEA द्वारा निर्धारित 90 दिनों के अधिदेश के आस-पास है।
- 3 सबसे बड़े 'वैश्विक सामरिक पेट्रोलियम भंडार' धारक
    - **संयुक्त राज्य अमेरिका:** विश्व में कच्चे तेल के भंडारण का सबसे बड़ा धारक है।
        - संयुक्त राज्य अमेरिका ने खाड़ी तट (Gulf Coast) पर अवस्थित गुफाओं में अपने सामरिक पेट्रोलियम भंडार स्थापित किये है। अपनी अधिकतम क्षमता की स्थिति में USA के पास 726.6 मिलियन बैरल कच्चे तेल के रिजर्व है।
    - **चीन:** विश्व में दूसरा सबसे बड़ा सामरिक पेट्रोलियम भंडार चीन के पास है। चीन ने कच्चे तेल के भंडारण की दिशा में वर्ष 2007 में प्रयास प्रारंभ किये थे।

- **जापान:** 324 मिलियन बैरल के साथ जापान में तीसरा सबसे बड़ा सामरिक पेट्रोलियम भंडार है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

96. अवापसी (नॉन-रिफॉलमेंट) के सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह गारंटी देता है कि किसी भी व्यक्ति को ऐसे देश में वापस जाने हेतु बाध्य नहीं किया जाना चाहिए जहाँ उन्हें उत्पीड़न, क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़े।
2. भारत की शरणार्थी नीति अवापसी के सिद्धांत को मान्यता देती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत, अवापसी का सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि किसी शरणार्थी को ऐसे देश में वापस नहीं भेजा जाना चाहिये जहाँ उन्हें उत्पीड़न, क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार या सज़ा और कोई अन्य अपूरणीय क्षति का सामना करना पड़े। यह सिद्धांत सभी प्रवासियों पर निरपेक्ष रूप से लागू होता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत के पास कोई आधिकारिक शरणार्थी नीति नहीं है। इसलिये यह अवापसी (नॉन-रिफॉलमेंट) के सिद्धांत को मान्यता नहीं देता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में किसी राज्य की विधान परिषद, आकार में उस राज्य की विधानसभा के आधे से अधिक बड़ी हो सकती है।
2. किसी राज्य का राज्यपाल उस राज्य की विधान परिषद के सभापति को नामित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संविधान का अनुच्छेद 169 राज्यों में विधान परिषद के निर्माण और उत्सादन से संबंधित है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 171(1) के अनुसार, विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या उस राज्य की विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं होंगी। **अत: कथन 1 सही नहीं है।** विधान परिषद के सदस्यों की न्यूनतम संख्या 40 निर्धारित की गई है।
- किसी राज्य का राज्यपाल उस राज्य की विधान परिषद के सभापति को नाम निर्देशित नहीं करता है बल्कि अनुच्छेद 182 के अनुसार, विधान परिषद के सदस्य ही अपने सदस्यों में से सभापति एवं उपसभापति को चुनते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

98. लेखानुदान और अंतरिम बजट में क्या अंतर है?

1. स्थायी सरकार लेखानुदान के प्रावधान का प्रयोग करती है जबकि कार्यवाहक सरकार अंतरिम बजट के प्रावधान का प्रयोग करती है।
2. लेखानुदान सरकार के बजट के व्यय पक्ष मात्र से संबद्ध होता है जबकि अंतरिम बजट में व्यय तथा प्राप्तियाँ दोनों सम्मिलित होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

विनियोग अधिनियम द्वारा ही भारत की संचित निधि से धन निकाला जा सकता है। अतः सरकार विनियोग विधेयक को हर हालत में नए वित्तीय वर्ष के प्रारंभ (एक अप्रैल) से पहले पारित करा लेती है।

- किंतु कभी-कभी ऐसी परिस्थिति आ जाती है जब बजट प्रक्रिया एक अप्रैल से पहले संपन्न नहीं हो पाती है। इसके लिये जब तक बजट प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है उस दौरान व्यय के लिये लेखानुदान पारित कर धन की व्यवस्था की जाती है।
- चुनावी वर्ष में लोकसभा के विघटन से पहले और नई लोकसभा तथा नई सरकार के गठन होने तक वित्तीय वर्ष के एक भाग के लिये व्यय की व्यवस्था के लिये अंतरिम बजट का प्रावधान किया जाता है।
- लेखानुदान सरकार के व्यय पक्ष से संबंधित होता है जो बजट प्रक्रिया पूरी न होने के चलते व्यय की व्यवस्था करने के लिये पारित किया जाता है। चूँकि यह स्थिति किसी भी सरकार के समक्ष उपस्थित हो सकती है, अतः लेखानुदान का प्रावधान स्थायी एवं अस्थायी दोनों सरकारों द्वारा किया जा सकता है।
- लेखानुदान पारित करने का कारण व्यय के लिये धन की व्यवस्था करनी होती है। अंतरिम बजट में व्यय एवं प्राप्तियों दोनों का विवरण रहता है। अंतरिम बजट, सामान्य बजट से इस रूप में अलग होता है कि उसे चुनावी वर्ष में नई सरकार के गठन तक की अवधि तक के लिये जारी किया जाता है। आगे नई सरकार अपने हिसाब से बजट प्रस्तुत करती है।

अतः विकल्प (b) सही है।

99. निम्नलिखित विशेषाधिकारों में से कौन-से भारत के संविधान द्वारा राज्यसभा को प्रदत्त किये जाते हैं?

(a) राज्य के वर्तमान राज्य क्षेत्र में परिवर्तन करना और राज्य का नाम परिवर्तित करना।

(b) संसद को राज्य सूची में नियम बनाने और एक अथवा एकाधिक अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन करने में सक्षम बनाने हेतु एक प्रस्ताव पारित करना।

(c) राष्ट्रपति की निर्वाचन-प्रक्रिया में संशोधन करना और राष्ट्रपति की सेवानिवृत्ति के पश्चात् उसकी पेंशन निर्धारित करना।

(d) चुनाव आयोग के क्रियाकलापों का निर्धारण करना और चुनाव आयुक्तों की संख्या निर्धारित करना।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भारतीय संघ की इकाइयों के रूप में राज्यों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये संघीय सदन के रूप में राज्यसभा की कल्पना की गई है।

राज्यसभा को दो विशेष अथवा अनन्य अधिकार दिये गए हैं जो लोकसभा के पास नहीं है-

- यह राज्य सूची (अनुच्छेद 249) के विषयों पर एक कानून बनाने हेतु संसद को अधिकृत कर सकती है।
- यह संसद को केंद्र और राज्यों दोनों के लिये नई अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के लिये अधिकृत कर सकती है (अनुच्छेद 312)। इसके तहत अखिल भारतीय न्यायिक सेवाएँ भी शामिल हैं।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

100. यदि राज्यसभा किसी धन विधेयक में सारभूत संशोधन करती है, तो इसके बाद की कार्यवाही क्या होगी?

(a) लोकसभा, राज्यसभा की अनुशंसाओं को स्वीकार या अस्वीकार करते हुए इस विधेयक पर आगे कार्यवाही कर सकती है।

(b) लोकसभा विधेयक पर आगे कोई विचार नहीं कर सकती।

(c) लोकसभा विधेयक को पुनर्विचार के लिये राज्यसभा को लौटा सकती है।

(d) राष्ट्रपति विधेयक को पारित करने के लिये संयुक्त बैठक आहूत कर सकता है।

उत्तर: (a)

व्याख्या: संविधान के अनुच्छेद-109 के तहत धन विधेयक के संदर्भ में लोकसभा को अनन्य अधिकार प्राप्त है।

- धन विधेयक को लोकसभा द्वारा पारित किये जाने के पश्चात् राज्यसभा के पास भेजा जाता है तो राज्य सभा के लिये यह आवश्यक है कि वह विधेयक की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिन की अवधि के भीतर विधेयक को अपनी सिफारिशों सहित लोकसभा को लौटाएगी और लोकसभा के लिये राज्यसभा की सभी या किन्हीं सिफारिशों को स्वीकर करना ज़रूरी नहीं है।
- यदि राज्यसभा द्वारा विधेयक को 14 दिन की अवधि में लोकसभा को नहीं लौटाया जाता है तो इस अवधि की समाप्ति पर वह दोनों सदनों द्वारा, उस रूप में पारित माना जाएगा जिस रूप में वह लोकसभा द्वारा पारित किया गया था।
- यदि लोकसभा, राज्यसभा की किसी सिफारिश को स्वीकार कर लेती है तो धन विधेयक राज्यसभा द्वारा संस्तुत और लोकसभा द्वारा स्वीकार किये गए संशोधनों सहित दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया समझा जाएगा।
- यदि लोकसभा, राज्यसभा की किसी भी सिफारिश को स्वीकार नहीं करती है तो धन विधेयक, राज्यसभा द्वारा सिफारिश किये गए किसी संशोधन के बिना, दोनों सदनों द्वारा उस रूप में पारित किया गया समझा जाएगा जिस रूप में वह लोकसभा द्वारा पारित किया गया था।
- धन विधेयक के संबंध में संसद की संयुक्त बैठक आहूत किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

अत: विकल्प (a) सही है।